CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-253
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार

मुश्किलें आएंगी, लेकिन हार मानना कभी मत।

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 18 दिसम्बर 2024

पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी एक होने की राह पर

पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में मप्र के सीएम मोहन यादव और राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने एमओयू किया साइन

जयपुर/भोपाल। मध्यप्रदेश और राजस्थान के लिए मंगलवार का दिन ऐतिहासिक रहा। वर्षों पुराना सपना अब आकार लेने जा रहा है। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में समझौता हो गया है। जयपुर में दोनों राज्यों के बीच यह समझौता हुआ। यह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सोच थी। उन्होंने 20 साल पहले यह सोचा था। अब इस दिशा में आगे काम बढ़ गया है। इस नदी जोड़ो परियोजना से मध्यप्रदेश और राजस्थान को बड़ा फायदा होगा। समझौते के दौरान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल मौजूद रहे हैं। दोनों मुख्यमंत्रियों ने पीएम की मौजूदगी में एमओयू साइन किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने तीनों नदियों के जल को एक जगह मिलाया।

केंद्र और राज्य सरकार के अथक प्रयास आए काम

सीएम मोहन यादव ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो के सपने को साकार करने के लिए निरंतर 20 वर्षों से किए जा रहे प्रयास अब मूर्त रूप ले रहे हैं। परियोजना वर्ष 2004 में मध्यप्रदेश और राजस्थान को सिंचाई एवं पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रस्तावित की गई थी, परंतु दोनों राज्यों के मध्य जल बंटवारे पर सहमति न बन पाने के कारण परियोजना का क्रियान्वयन नहीं हो सका। आज इस परियोजना के लिए एमओयू साइन हो गया है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केंद्र और राज्य सरकार के अथक प्रयासों का परिणाम है।

बुंदेलखंड और मालवा क्षेत्र की तकदीर बदलेगी

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि यह प्रदेश के लिए अत्यंत सौभाग्य का विषय है। इस परियोजना से बुंदेलखंड और मालवा क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदलेगी। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र तरक्की होगी। इस परियोजना से प्रदेश के मालवा और चंबल क्षेत्र में 6 लाख 13 हजार 520 हेक्टेयर में सिंचाई होगी और 40 लाख की आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त लगभग 60 वर्ष पुरानी चंबल दाईं मुख्य नहर और वितरण-तंत्र प्रणाली के आधुनिकीकरण कार्य से भिंड, मुरैना एवं श्योपुर जिले में कृषकों की मांग अनुसार पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

3217 गांवों को लाभ मिलेगा

परियोजना से प्रदेश के इंदौर, धार, आगर मालवा, शाजापुर, उज्जैन, सीहोर, मंदसौर, गुना, मुरैना, शिवपुरी, भिंड, श्योपुरऔर राजगढ़ जिलों के 3217 ग्रामों को लाभ मिलेगा। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना मध्य प्रदेश और राजस्थान दोनों राज्यों के किसानों और नागरिकों के लिए वरदान साबित होगी। इससे किसानों को भरपूर सिंचाई के लिए पानी मिलेगा और विकास के नए द्वार खुलेंगे। परियोजना से दोनों राज्यों में समृद्धि आएगी। परियोजना से मिलने वाले जल से किसान अपनी उपज को दोगुना कर सकेंगे, जिससे उनके परिवार के साथ प्रदेश भी समृद्ध होगा।

72,000 करोड़ रुपए खर्च होंगे

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की अनुमानित लागत 72 हजार करोड़ है, जिसमें मध्यप्रदेश 35 हजार करोड़ और राजस्थान 37 हजार करोड़ रुपए व्यय करेगा। केंद्र की इस योजना में कुल लागत का 90 प्रतिशत केंद्रांश और 10 प्रतिशत राज्यांश रहेगा। परियोजना की कुल जल भराव क्षमता 1908.83 घन मीटर होगी। साथ ही 172 मिलियन घन मीटर जल, पेयजल और उद्योगों के लिए आरक्षित रहेगा। परियोजना अंतर्गत 21 बांध/बैराज निर्मित किए जाएंगे।

मांगों के समर्थन में किसानों का रेल रोको आंदोलन शुरू, तीन बजे तक रेलमार्ग अवरुद्ध रहेगा

पंजाब-हरियाणा की सीमा पर शंभू-खनौरी बॉर्डर पर धरने पर बैठे किसानों के हक में आज पूरे पंजाब में रेलें रोकी गई हैं। हर जिले में किसान दोपहर 12 बजे से रेल पटरियों पर बैठ गए हैं। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन को 22 दिन पूरे हो चुके हैं, लेकिन केंद्र सरकार अभी तक किसानों से बात नहीं की। मोदी सरकार किसानों के मुद्दों को डीरेल करना चाहती है पंधेर ने कहा कि कुछ मीडिया वालों की तरफ से किसानों की दोनों यूनियनों को अलग-अलग बताया जा रहा है, जोकि सरासर झूठी अफवाहें फैला रहे हैं। किसान एकजुट हैं और मिलकर लड़ाई लड़ रहे हैं। पंधेर ने आरोप लगाया कि विपक्ष किसानों की आवाज संसद में नहीं उठा रहा है, जिससे किसानों की समस्याएं अनसुनी हो रही हैं। पंधेर ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी सवाल उठाया और पूछा कि वे किसानों के लिए क्या कर रहे हैं? शंभू बार्डर खोलने को लेकर किसानों से सीधी वार्ता करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से बनाई कमेटी के साथ बैठक करने से किसानों ने साफ इनकार कर दिया है। कमेटी की ओर से बुधवार को बैठक बुलाई गई थी। कमेटी को भेजे पत्र में किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने लिखा है कि पहले से ही अंदेशा था कि कमेटियां सिर्फ खानापूर्ति के लिए बनाई जाती हैं। बावजूद इसके आप सभी का सम्मान करते हुए किसानों का प्रतिनिधिमंडल चार नवंबर को कमेटी के मेंबरों से मिला। लेकिन इतनी गंभीर स्थिति होने के बावजूद कमेटी अब तक शंभू व खनौरी बार्डरों पर जाने का समय नहीं निकाल सकी। इतनी देरी के बाद कमेटी सक्रिय हो सकी है, यह देखकर काफी दुख हो रहा है। क्या कमेटी उनकी मृत्यु का इंतजार कर रही थी। अपनी मेडिकल स्थिति व शंभू बार्डर पर दिल्ली कूच करने के समय घायल किसानों की हालत को देखते हुए दोनों मोर्चों ने फैसला लिया है कि किसान कमेटी के साथ बैठक करने में असमर्थ हैं। अब किसानों की ओर से अपनी मांगों को लेकर केवल केंद्र सरकार के साथ ही सीधी बातचीत की जाएगी।

मप्र विधानसभा में 22460 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 2,24,60.18 करोड़ का पहला अनुपूरक बजट विधानसभा में पेश किया। यह बजट विभिन्न क्षेत्रों में विकास को गति देने और नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस बजट पर बुधवार को 4 घंटे तक चर्चा का दौर चलेगा। इस बजट में ग्रामीण विकास के लिए 11.61 करोड़ का प्रावधान किया गया है। जल संसाधन परियोजनाओं के लिए 10 करोड़ का प्रस्ताव रखा गया है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 15 लाख आवंटित किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के लिए 54 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। चिकित्सा सुविधाओं के उन्नयन हेतु 35.15 करोड़ का बजट रखा गया है।

तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के लिए 130 करोड़ का प्रावधान किया गया है। उच्च शिक्षा के लिए 34.59 करोड़ का अतिरिक्त आवंटन किया गया है।

नगर विकास योजनाओं के लिए 630 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति और जनजाति विकास के लिए 90 करोड़ रुपए दिए गए हैं। महिला एवं बाल विकास के लिए 550 करोड़ का बजट दिया गया है। सरकार का कहना है कि इस बजट का उद्देश्य राज्य के समग्र विकास को सुनिश्चित करना, सामाजिक कल्याण को प्राथमिकता देना और बुनियादी ढांचे में सुधार करना है। सरकार का यह कदम शिक्षा, स्वास्थ्य, और ऊर्जा क्षेत्रों को मजबूती प्रदान करेगा, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था और जीवनस्तर में सुधार होने की संभावना है।

विधानसभा के शीतकालीन सत्र का दूसरे दिन भी हंगामे के नाम रहा। विपक्ष भाजपा पर हमला जारी है। मंगलवार की सुबह जैसे ही विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू हुआ सरकार के खिलाफ नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक कटोरा हाथ में लेकर विधान सभा में पहुंचे। कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने जमकर नारेबाजी की। विपक्ष ने विधायकों ने आरोप लगाया कि मप्र की सरकार प्रदेशवासियों पर कर्ज का बोझ लाद रही है। उनका कहना है कि प्रदेशवासियों की स्थिति कटोरा लेकर भीख मांगने जैसी हो गई है।

एक देश एक चुनाव बिल लोकसभा में पेश, कांग्रेस, सपा और टीएमसी समेत कई दलों ने किया विरोध

20 से ज्यादा बीजेपी सांसदों ने की नाफरमानी!

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को एक देश एक चुनाव वाला विधेयक पेश हो गया। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने यह बिल लोकसभा में पेश किया। बिल का कांग्रेस, टीएमसी, सपा समेत कई दलों ने विरोध किया है। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि आखिर इस बिल को लाने की जरूरत ही क्या है। यह तो एक तरह से तानाशाही को थोपने की कोशिश है। हालांकि भाजपा को अपने अहम सहयोगी दल जनता दल युनाइटेड का समर्थन हासिल है। जेडीयू के नेता संजय कुमार झा ने कहा कि यह बिल जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम तो हमेशा कहते रहे हैं कि विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ ही होने चाहिए। पंचायत के चुनाव अलग से होने चाहिए। वहीं भाजपा उन सांसदों को नोटिस भेजेगी जो सरकार के महत्वाकांक्षी वन नेशन, वन इलेक्शन वाले बिल को पेश किए जाने के दौरान लोकसभा में मौजूद नहीं थे। भले ही इन सांसदों की अनुपस्थिति बिल के पारित होने में रुकावट नहीं बनी, लेकिन इसने विपक्षी कांग्रेस को यह दावा करने का मौका दे दिया कि सरकार के पास इस मुद्दे पर पर्याप्त समर्थन नहीं है। भाजपा सांसदों की अनुपस्थिति के पीछे के कारणों का अभी पता नहीं चला है। रिपोर्टों के मुताबिक, भाजपा ने अपने जिन सांसदों को नोटिस भेजा है उनमें केंद्रीय मंत्री भी शामिल हैं। इनमें प्रमुख नाम- जगदंबिका पाल, शांतुनु ठाकुर, बीएस राघवेंद्र, गिरीराज सिंह, विजय बघेल, भागीरथ चौधरी, उदयराजे भोंसले, जयंत कुमार रॉय और जगन्नाथ सरकार का भी है।

भाजपा ने जारी किया था व्हीप

सूत्रों के अनुसार, भाजपा ने मंगलवार को अपने लोकसभा सदस्यों को सदन में मौजूद रहने के लिए तीन लाइन का व्हीप जारी किया था। जब विधेयक के लिए वोटिंग हुई तो भाजपा के 20 सांसद सदन में मौजूद नहीं थे। जानकारी के मुताबिक, अब भाजपा लोकसभा में गैरहाजिर रहे अपने सभी सांसदों को नोटिस भेजकर उनसे जवाब तलब करेगी। तीन लाइन का बेहद अहम व्हिप जारी होने के बाद भी अपने सांसदों की गैरहाजिरी से भाजपा आलाकमान नाराज बताया जा रहा है।

पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 वोट

लोकसभा में यह विधेयक पेश किए जाने के पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 वोट पड़े। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के बाद पर्चे से मतदान हुआ और तब जाकर यह विधेयक लोकसभा में पेश हो सका। संविधान संशोधन विधेयक को पास करने के लिए हुए मतदान में 461 सदस्यों ने हिस्सा लिया। अगर यह विधेयक पारित करने के लिए मतदान होता तो उन 461 में से 307 को इसके पक्ष में मतदान करना पड़ता, लेकिन केवल 269 ने ही मतदान किया। कांग्रेस ने इस दिन को उदाहरण के रूप में लेते हुए केंद्र सरकार पर हमला बोला। सत्ता पक्ष की ओर से कम वोटिंग को मुद्दा बनाते हुए कांग्रेस की ओर से कहा गया कि इस विधेयक को समर्थन नहीं मिला है...।

क्या होगा अगर गिर जाए राज्य की सरकार

विधेयक में इस बात का भी प्रावधान होगा कि अगर अविश्वास प्रस्ताव या अन्य कारण से बीच में ही किसी राज्य की सरकार गिर जाएगी तो क्या किया जाएगा। ऐसी स्थिति में मध्यावधि चुनाव कराए जा सकते हैं लेकिन नई विधानसभा का कार्यकाल केवल अगले लोकसभा चुनाव तक ही होगा। इसके अलावा विधेयक में चुनाव आयोग को भी निर्देश दिए गए हैं कि साथ में चुनाव कराने को लेकर आवश्यक जरूरतें पूरी की जाएं। ईवीएम और वीवीपैट का भी इंतजाम एकसाथ चुनाव कराने से पहले ही कर लिया जाए।

भगवान महाकाल को मिला 1 अरब 69 करोड़ रुपए से अधिक का चढ़ावा

उज्जैन। उज्जैन में स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर का भंडार भक्तों ने भर दिया है। मंदिर को यह रिकॉर्ड चढ़ावा 11 माह 15 दिन में 1अरब 69 करोड़ रुपए से अधिक मिला है। इसमें 1533 ग्राम सोना और 399 किलो चांदी के साथ नकद रुपए भी मिले हैं। साथ ही महाकाल के भक्त 53 करोड़ 50 लाख से अधिक के लड्डू प्रसादी ले गए हैं और 64 किलो आभूषण दान पेटी से प्राप्त हुए हैं। हालांकि, महाकाल गर्भगृह में श्रद्धालुओं का प्रवेश बंद होने से आय प्रभावित हुई है। उज्जैन में महाकाल लोक बनने के बाद से ही श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। इसके पहले मंदिर में रोजाना 50 हजार के करीब श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते थे, लेकिन अब यह आंकड़ा बढ़कर डेढ़ से दो लाख श्रद्धालु प्रतिदिन पर पहुंच गया है।

ढाई करोड़ की 399 किलो चांदी मिली

महाकाल मंदिर समिति को 1 जनवरी 2024 से लेकर 13 दिसंबर 2024 तक महाकाल मंदिर में दर्शन के लिए आए भक्तों ने सिर्फ नकद ही दान नहीं दिया, बल्कि बड़ी संख्या में सोना-चांदी भी दान किया है। 1 जनवरी 2024 से 13 दिसंबर 2024 तक एक वर्ष में 399 किलो चांदी जिसकी अनुमानित कीमत 2 करोड़ 42 लाख 803 रुपये के करीब बताई जा रही है। इसके साथ डेढ़ किलो सोना भी मिला है जिसकी कीमत 95 लाख 29 हजार 556 रुपए है। इस बार वर्ष 2024 में मंदिर की आय बिना गर्भगृह खुले ही 12 माह से पहले एक अरब 65 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गई है। जिसमें 53 करोड़ 50 लाख 14 हजार की लड्डू प्रसादी भक्त अपने साथ लेकर गए हैं।

भेंट पेटी, भस्मरती और शीघ्र दर्शन से भी हुई आय

मंदिर से मिली जानकारी के अनुसार, महाकाल मंदिर को दान पेटियों से 43 करोड़ 85 लाख 20 हजार 718 रुपये की आई हुई है। वहीं भक्तों द्वारा शीघ्र दर्शन करने से 48 करोड़ और 99 लाख 80 हजार 551 रुपये की आय हुई है। बता दें कि शीघ्र दर्शन का शुल्क 250 रुपये प्रति श्रद्धालु है।वहीं, महाकाल भस्म आरती से 9 करोड़ 90 लाख 2 हजार 600 रुपये की आय हुई है। मंदिर समिति को अभिषेक भेंट अन्य क्षेत्र धर्मशाला बुकिंग के साथ मांग एवं ध्वज बुकिंग से भी आय प्राप्त हुई है।

गर्भगृह बंद होने से आय हुई प्रभावित

महाकाल मंदिर में साल 2023 के सावन माह के पहले गर्भगृह को बंद किया गया था। गर्भगृह बंद हुए करीब एक वर्ष अधिक का समय हो चुका है। मंदिर के गर्भगृह में दर्शन करने का शुल्क 750 रुपये प्रति श्रद्धालु रखा गया था। जुलाई 2023 में गर्भगृह में आम भक्तों का प्रवेश बंद कर दिया गया। इसके बाद से अब तक गर्भगृह पूर्णत- बंद होने के बाद पिछले साल 6 माह में ही 9 करोड़ 45 लाख 82 हजार 990 रुपए की आय हुई थी।

कांग्रेस नेता गोलू अग्निहोत्री के घर से मिले डेढ़ करोड़ रुपए!

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर कांग्रेस के कार्यकारी शहर अध्यक्ष विशाल गोलू अग्निहोत्री के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई में मनी लॉन्ड्रिंग और सट्टेबाजी रैकेट का बड़ा खुलासा हुआ है। इस कार्रवाई के दौरान लगभग 1.5 करोड़ रुपए की अघोषित नकदी, लैपटॉप, मोबाइल और कई संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुए। बताया जा रहा है कि कांग्रेस नेता क्रिकेट सट्टा और डब्बा कारोबार में शामिल हैं और उन्होंने अपने करीबियों के नाम पर कई शैल कंपनियां बनाई थीं, जिनके जरिए देश-विदेश में धन का रोटेशन किया जाता था। दुबई में संपत्ति खरीदने और शैल कंपनियां बनाने की जानकारी के बाद ईडी ने उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी।

बिटकॉइन से विदेश भेज रहे थे पैसा

गोलू को रविवार रात दिल्ली एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया गया था, जब वे दुबई से लौट रहे थे। इसके बाद सोमवार सुबह उनके इंदौर स्थित आवास पर छापा मारा गया, जिसमें सीआरपीएफ ने सुरक्षा का जिम्मा संभाला और स्थानीय पुलिस को इस कार्रवाई की जानकारी नहीं दी गई। जांच में पता चला है कि कांग्रेस नेता सट्टेबाजी से हुई आय को विदेश भेजने में बिटकॉइन का इस्तेमाल कर रहे थे।

गुजरात से भी जुड़ रहे तार

ईडी की कार्रवाई से एक बड़े सट्टा रैकेट का पर्दाफाश होने की संभावना है, जिसके तार गुजरात में आयकर विभाग द्वारा की गई छापेमारी से जुड़े हुए हैं। गुजरात में हुई कार्रवाई में सट्टेबाजी की राशि और बिटकॉइन की खरीद-फरोख्त से संबंधित सबूत मिले थे। दुबई से भारत और अन्य देशों में संदिग्ध लेनदेन की जांच के साथ ही ईडी मनी लॉन्ड्रिंग और अंतरराष्ट्रीय धन प्रवाह पर कड़ी नजर बनाए हुए है।

करीबियों के नाम पर बनाई शैल कंपनियां

सर्चिंग के दौरान ईडी को प्रारंभिक तौर पर ऑनलाइन डब्बा कारोबार संचालित करने की जानकारी हाथ लगी है। इसके लिए गोलू ने अपने कुछ करीबियों के नाम पर शैल कंपनियां बनाई हैं। इन कंपनियों के जरिये देश-विदेश से आने वाले धन का रोटेशन किया जाता था। कंपनियों के दस्तावेज भी ईडी के हाथ लगे हैं। सूत्रों के अनुसार, कुछ कर्मचारियों के साथ ही कांग्रेस के एक बड़े नेता के नाम से भी ऐसी ही एक कंपनी बनाने की जानकारी जांच एजेंसी के हाथ लगी है।

सट्टे की कमाई विदेश भेजने की आशंका

सूत्रों के अनुसार क्रिकेट सट्टे से प्राप्त आय को देश के बाहर भेजने की आशंका के चलते यह कार्रवाई की गई है। विदेश रुपए भेजने में आरोपियों द्वारा बिटकॉइन का उपयोग किए जाने की भी आशंका है। जानकारों के अनुसार ईडी इस कार्रवाई के माध्यम से एक बड़े सट्टा रैकेट का खुलासा करने में जुटी है। इस कार्रवाई की शुरुआत गुजरात में आयकर विभाग के छापे से हुई। इसके बाद इंदौर, मनावर और राजगढ़ में आयकर का छापा पड़ा। इसके तार गुजरात से जुड़े हुए थे। आयकर विभाग की इस दूसरी कार्रवाई में भी सट्टे की राशि होने के सबूत मिले थे। साथ ही बिटकॉइन की खरीदी बिक्री होने की भी जानकारी थी।

गोलू और उनकी पत्नी रह चुके हैं पार्षद

विशाल अग्निहोत्री, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के करीबी माने जाते हैं और इंदौर नगर निगम में पार्षद रह चुके हैं। उनकी पत्नी भी पार्षद रह चुकी हैं। 2018 में विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने उन्हें इंदौर क्षेत्र-1 से टिकट दिया था, लेकिन नामांकन दाखिल करने से पहले उनका नाम हटाकर संजय शुक्ला को उम्मीदवार घोषित कर दिया गया था।

लवकुश चौराहा से महाकाल लोक तक चलेगी मेट्रो, 8 स्टेशन फाइनल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर और उज्जैन के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी है, दोनों शहरों के बीच में मेट्रो चलाए जाने वाले प्रस्तावित मेट्रो के लिए अब मेट्रो स्टेशनों की संख्या और अलाइनमेंट भी तैयार कर दिया गया है। इंदौर और उज्जैन के बीच चलने वाली मेट्रो का प्रस्तावित रूट 47 किलोमीटर का होगा, जिसके बीच में आठ मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। लवकुश चौराहा पहला स्टेशन होगा जबकि बाबा महाकाल लोक आखिरी स्टेशन होगा। बता दें कि 2028 में उज्जैन में होने वाले महाकुंभ तक इस प्रोजेक्ट पर तेजी काम करने की प्रोसेस हो रही है।

इंदौर और उज्जैन के बीच चलने वाली मेट्रों के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) की तरफ से डीपीआर भी तैयार कर ली गई है। बताया जा रहा है कि दिसंबर के आखिर तक इसको मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को सौंप दिया जाएगा। इस रूट पर 70 प्रतिशत काम सड़क की लाइन के हिसाब से ही किया जाएगा। डिपो के लिए मेट्रो कॉर्पोरेशन ने प्रशासन से रेवती के पास 20 हेक्टेयर जमीन की डिमांड भी की है, इस पर भी जल्द ही फैसला लिया जा

सकता है।

इंदौर-उज्जैन के 8 मेट्रो स्टेशन

- लवकुश चौराहा
- अरविंदो कॉलेज
- बारोली
- धरमपुरी
- सांवेर
- नानाखेड़ा
- उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज
- बाबा महाकाल लोक

हाइब्रिड मोड में मेट्रो का संचालन किया जाएगा

इंदौर शहर में निर्माणाधीन मेट्रो रूट पर मेट्रो मेट्रो 80 से 85 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलेगी। दो शहरों के बीच रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) में 135 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से मेट्रो चलती है। इंदौर व उज्जैन के बीच हाइब्रिड मोड में मेट्रो का संचालन किया जाएगा। यह 135 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलेगी। वर्तमान में दिल्ली एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन में इस तरह हाइब्रिड मोड में मेट्रो का संचालन किया जा रहा है। पूर्व में सिंहस्थ के पहले इंदौर से उज्जैन के बीच मेट्रो चलाने की योजना बनाई जा रही थी लेकिन 10 हजार करोड़ रुपये का बजट जुटाना राज्य शासन के लिए आसान नहीं होगा। यही वजह है कि यह प्रोजेक्ट सिंहस्थ के पहले पूरा नहीं हो पाएगा। प्रोजेक्ट पर करीब 10 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। 60 प्रतिशत लोन लिया जाएगा। बचे हुए 40 प्रतिशत में से 20-20 प्रतिशत केंद्र सरकार व राज्य सरकार देगी।

70 प्रतिशत हिस्सा सडक के समानांतर

प्रस्तावित मेट्रो का ट्रेक 45 किमी लंबे इंदौर-उज्जैन राजमार्ग के समानांतर चलेगा। प्रोजेक्ट को 2028 सिंहस्थ कुंभ से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया हैं। इससे दोनों शहरों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी और यात्रा समय घटेगा। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को इस महीने प्रस्तावित इंदौर-उज्जैन मेट्रो रेल परियोजना के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की डीपीआर के अनुसार प्रस्तावित मेट्रो मार्ग के सुपर कॉरिडोर डिपो से आगे बढ़ने की उम्मीद है।

तालाब तक मेट्रो ले जाने की कोशिश

जानकारों के मुताबिक पूर्व में उज्जैन की सघन बसाहट के कारण उज्जैन शहर के हिस्से में अंडरग्राउंड मेट्रो के विकल्प पर विचार किया जा रहा था। अब महाकाल महालोक के पास बने तालाब के पास पार्किंग वाले हिस्से तक ओवरहेड मेट्रो ले जाने की योजना है।

1 करोड़ 60 लाख की ऑनलाइन ठगी में चार और आरोपी गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में पिछले दिनों एक महिला व्यापारी को फर्जी तरीके से डिजिटल अरेस्ट करके सीबीआई, ईडी और आरबीआई का अधिकारी बनकर 1 करोड़ 60 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए गए थे। इस पूरे मामले में पुलिस ने अलग अलग राज्यों से सात आरोपियों को पहले गिरफ्तार किया था। उन्हीं की निशानदेही पर पुलिस ने चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बता दें दिसंबर महीने में एक महिला व्यापारी को सीबीआई, ईडी,आरबीआई और अन्य विभाग के अधिकारी बनकर डरा धमकाकर फर्जी तरीके से हाउस अरेस्ट किया गया था और इतना प्रेशर महिला पर बनाया था कि महिला 1 करोड़ 60 लाख रुपया ऑनलाइन अलग अलग अकाउंट में ट्रांसफर करा लिए गए थे। इस मामले में महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी पुलिस ने पहले सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था। वही मामले में जांच करते हुए पुलिस ने चारों युवकों को गिरफ्तार किया है जिसके अकाउंट में पैसा आया था और जिन्होंने अकाउंट आगे उपलब्ध कराया था। ऐसे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

डीसीपी क्राइम ब्रांच ने मंगलवार को बताया कि जांच के दौरान सीहोर निवासी रोहन के अकाउंट में पांच लाख रुपये ट्रांसफर किए गए थे उसे पकड़ा और उसके बाद जिसने रोहन को लालच देकर यह अकाउंट लिया था और तीन आरोपियों को भी अलग अलग जगहों से गिरफ्तार किया है। वहीं इनमें से कुछ आरोपी स्टूडेंट है जो कुछ हजार रुपया के लालच में आकर उन्होंने अपना अकाउंट आरोपियों के हवाले कर दिया। इसमें दो कड़ियां ब्रेक की है जो अकाउंट किराया पर देने वाले और अकाउंट लेकर आगे देने वाली अब जो मुख्य आरोपी है उन तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। वहीं इस मामले में एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने मीडिया के सामने एडवाइजरी जारी की है कि छात्र ऐसे लालच में न आए और ऐसे किसी को भी अपने अकाउंट उपलब्ध न कराएं। क्योंकि छात्र कुछ पैसों के लालच में आकर अपना भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। मामले में क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज कर अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हाल ही में गिरफ्तार हुए चार आरोपी हैं - रोहन शाक्य (सीहोर), आयुष राठौर (सीहोर), निलेश गोरेले (भोपाल) और अभिषेक त्रिपाठी (भोपाल)। इनमें दो बीबीए और एक बीटेक का छात्र है।

पकड़े गए आरोपी अंतरराज्यीय गैंग के सदस्य

पूछताछ में पता चला कि सीहोर का रहने वाला रोहन शाक्य फर्नीचर का काम करता है, उसने अपना बैंक खाता बदमाशों को कमीशन पर दिया था। उसके खाते का उपयोग ठगी के लिए किया गया। रोहन ने यह खाता आयुष राठौर को दिया, जिसने इसे निलेश गोरेले को सौंपा। निलेश ने यह खाता अभिषेक त्रिपाठी को दिया। इसके बाद खाते की कड़ी अन्य राज्यों तक बढ़ाई गई। आरोपियों ने बताया कि वे अंतरराज्यीय गैंग के सदस्य हैं, जो डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन ठगी के लिए बैंक खातों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं। ठगे गए पैसे इन खातों में भेजे जाते हैं, जिनका इस्तेमाल बदमाश आगे ठगी को अंजाम देने में करते हैं। आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

इंदौर की मशहूर घोड़ी पद्मावती की डिमांड पूरे देश में, अब जाएगी मुंबई

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। एमपी की आर्थिक राजधानी इंदौर, खान-पान और स्वच्छता के लिए यह पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। बहुत कम लोग जानते हैं कि इंदौर मशहूर घोड़ी पद्मावती के लिए भी देशभर में प्रसिद्ध है। सफेद चमकीले रंग की इस घोड़ी की ऊंचाई 6 फीट और लंबाई 12 फीट है। इसकी खूबसूरती और शान के कारण पद्मावती की डिमांड पूरे देश में है। पद्मावती जल्द ही टीवी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा के कलाकार शरद सांकला (अब्दुल) के परिवार की शादी के लिए मुंबई रवाना होगी। शरद सांकला और उनके सहकलाकार निर्मल सोनी (डॉ. हाथी) सोमवार को इंदौर पहुंचे और घोड़ी को 5 लाख रुपए में बुक किया। बाद में सीरियल के अन्य कलाकार तन्मय वेकारिया (बाघा) और नवीना वाडेकर (बावरी) भी पहुंचे और उन्होंने घोड़ी के साथ फोटो और वीडियो शूट किए।

इंटरनेट से मिली पद्मावती

शरद सांकला ने कहा कि उन्होंने कई जगह घोड़ी देखी, लेकिन इंटरनेट पर सर्च के दौरान पद्मावती के बारे में पता चला। इंदौर आकर देखने के बाद उन्होंने इसे पहली ही नजर में पसंद कर लिया। मजाक में उन्होंने कहा कि पोपटलाल की शादी में भी पद्मावती को गोकुलधाम सोसायटी में घुमाएंगे। पद्मावती की देखभाल के लिए खास व्यवस्थाएं की गई हैं। उसे रोज 10 लीटर दूध, 6 किलो चने और ताजा हरी घास दी जाती है। उसकी देखरेख के लिए तीन कर्मचारी नियुक्त हैं, जो उसकी रोज मालिश और ब्रशिंग करते हैं।

पंजाब से आई इंदौर

इसके केयरटेकर सचिन राठौर ने बताया कि घोड़ी को तीन साल पहले पंजाब से लाया गया था। उस समय इसकी ऊंचाई 5.6 फीट थी। सचिन का दावा है कि पद्मावती मध्यप्रदेश की सबसे ऊंची घोड़ी है। उसकी लोकप्रियता इतनी ज्यादा है कि 2026 तक उसकी सभी खास तारीखों की बुकिंग हो चुकी है। किसी भी कार्यक्रम या शादी के लिए 3 घंटे का चार्ज 40 हजार रुपये है। सचिन ने यह भी बताया कि देश के सबसे बड़े कारोबारी मुकेश अंबानी के परिवार ने भी पद्मावती को अनंत अंबानी की शादी के लिए बुक करना चाहा था, लेकिन उस तारीख पर पहले से ही बुकिंग होने के कारण उन्हें मना करना पड़ा। पद्मावती की खास कद-काठी, चमकदार रंग और बेहतरीन देखभाल ही उसकी लोकप्रियता का राज है।

प्रियंका के हैंडबैग पर बोले कैलाश- यह दोहरा मापदंड और अवसरवाद

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के हैंडबैग पर बवाल मचा हुआ है। देशभर में सोशल मीडिया पर चल रही बहस के बीच मध्यप्रदेश सरकार में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी इस विषय पर सामने आए हैं। उन्होंने प्रियंका गांधी को घेरा है और कहा है कि वे हिंदुओं और ईसाइयों की वकालत का नाटक कर रही हैं। प्रियंका सोमवार को संसद में फिलिस्तीन समर्थन वाला हैंडबैग लेकर पहुंची थीं। इसके अगले दिन मंगलवार को वे 'बांग्लादेशी हिंदुओं और ईसाइयों साथ खड़े हो' लिखा हुआ हैंडबैग लेकर पहुंची थीं। इस पर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि यह मुस्लिम तुष्टिकरण है। देश इनकी हकीकत जानता है।

विजयवर्गीय ने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी कल संसद में फिलिस्तीन समर्थक प्रतीकों वाले हैंडबैग के साथ पहुंचीं। वहां उन्होंने फिलिस्तीन के पक्ष में बयान दिया। यह घटना महज संयोग नहीं, एक पुरानी परंपरा की पुनरावृत्ति है, जिसे उनके पूर्वजों ने वर्षों पहले स्थापित किया था। उसी कुटिल राजनीति का दुष्परिणाम देश ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के रूप में भोगा और आज तक उसकी कीमत चुका रहा है।

संसद में एक नया प्रपंच रचने पहुंचीं

विजयवर्गीय ने कहा कि चौतरफा आलोचना और राजनीतिक दबाव के बाद मंगलवार को प्रियंका संसद में एक नया प्रपंच रचने पहुंचीं। इस बार बांग्लादेशी हिंदुओं और ईसाइयों के समर्थन का झंडा उठाकर। अचानक हिंदुओं और ईसाइयों की वकालत का यह नाटक, उनके दोहरे मापदंड और राजनीतिक अवसरवाद का जीवंत प्रमाण है। अब इसे वैचारिक विचलन कहें या सांप्रदायिक संतुलन साधने का प्रयास, किंतु यह स्पष्ट है कि कांग्रेस की यह हैंडबैग राजनीति उनकी खोती हुई जमीन पर मरहम लगाने का असफल प्रयास है। यह मुस्लिम तुष्टिकरण है। देश इनकी हकीकत जानता है।

प्रियंका ने की थी नेतन्याहू की आलोचना

जून 2024 में प्रियंका ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना की थी। तब प्रियंका की टिप्पणी नेतन्याहू के अमेरिकी कांग्रेस को दिए भाषण में गाजा में चल रहे युद्ध का बचाव करने के बाद आई थी। उन्होंने कहा था कि गाजा में इजराइल सरकार ने क्रूरतापूर्वक नरसंहार किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा था कि सही सोच रखने वाले हर व्यक्ति और दुनिया की हर सरकार की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वे इजराइल सरकार के नरसंहार की निंदा करे और उन्हें रोकने के लिए मजबूर करे।

राष्ट्रीय गणित दिवस पर 22 दिसंबर को देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में होंगे आयोजन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्म दिवस 22 दिसंबर को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2012 से राष्ट्रीय गणित दिवस घोषित किया गया है। इस उपलक्ष में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय गणित केंद्र द्वारा अनेक आयोजन किए जाएंगे। केंद्र के निदेशक डॉ. अनुपम जैन ने बताया कि 22 दिसंबर को प्रात: 10:30 बजे खंडवा रोड स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय तक्षशिला परिसर के डाटा विज्ञान एवं पूर्वानुमान अध्ययनशाला के सभागार में उदघाटन सत्र का शुभारंभ होगा। मुख्य अतिथि होंगे बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु एवं प्रख्यात गणितज्ञ प्रोफेसर एसके जैन एवं अध्यक्षता डीएवीवी के कुलगुरु प्रोफेसर राकेश सिंघई करेंगे। सारस्वत अतिथि के रूप में डीएवीवी की पूर्व कुलपति एवं गणितज्ञ प्रोफेसर रेणु जैन एवं पूर्व निर्देशक नीलेश जैन उपस्थित रहेंगे। मध्यान्ह में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गणितज्ञ पद्मश्री प्रोफेसर आरसी गुप्त की स्मृति में कर्नाटक विश्वविद्यालय बेंगलुरु की प्रोफेसर डी. तेजस्विनी का व्याख्यान होगा। अपरान्ह में यूएन के विशेषज्ञ गौरव जैन का विश्व की एकमात्र अंक लिपि में लिखी कृति सिरी भूवलय की डिकोडिंग समस्याओं पर व्याख्यान होगा। साथ ही इस अद्वितीय जटिल ग्रंथ के अंतर साहित्य के प्रकटीकरण पर समूह चर्चा भी होगी।

डेढ़ करोड़ की चोरी के मामले में पुलिस ने 400 से ज्यादा सीसीटीवी खंगाले

इंदौर। इंदौर में हुई डेढ़ करोड़ की चोरी के मामले में तेजाजी नगर पुलिस 400 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल चुकी है। इसमें आरोपियों की कुछ लीड भी मिली है, जिस पर टीमें काम कर रही है। घटना स्थल से लेकर पुलिस रेलवे स्टेशन तक इन कैमरों को खंगालते हुए पहुंच गए। पुलिस का मानना है कि बदमाशों ने गुमराह करने की कोशिश की है। ये वारदात इंदौर के रियल एस्टेट कारोबारी अनीस मोहम्मद के यहां हुई। उनके यहां काम करने वाले नेपाली नौकर ने खाने में बेहोशी की दवा मिलाकर दोस्त के साथ मिलकर डेढ़ करोड़ की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। कारोबारी के यहां से बदमाश जेवरात, नगदी, महंगी घड़ियां सहित अन्य माल लेकर थार गाड़ी से भाग गए थे। ये थार गाड़ी बाद में तीन इमली के पास पुलिस को मिल गई थी। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी की धरपकड़ के लिए टीमें बनाई है। तेजाजी नगर थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह मरकाम ने बताया कि, घटना के बाद से 400 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज देखे है।

खतरे में आरिफ मसूद की विधायकी, चुनाव में लोन की जानकारी नहीं दी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई में उनके नामांकन में 50 लाख रुपए के लोन की जानकारी छिपाने का मामला सामने आया है। यह मामला भाजपा प्रत्याशी ध्रुव नारायण सिंह की याचिका पर चल रहा है, जिसमें उन्होंने मसूद के चुनाव को चुनौती दी है। हाईकोर्ट ने माना है कि मसूद ने लोन की जानकारी छिपाई थी। अब 3 जनवरी को अगली सुनवाई होगी। इस मामले में अगर मसूद दोषी पाए जाते हैं तो उनकी विधायकी जा सकती है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में मंगलवार को कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के खिलाफ दायर चुनाव याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता भाजपा प्रत्याशी ध्रुव नारायण सिंह ने आरोप लगाया था कि मसूद ने अपने नामांकन पत्र में कई महत्वपूर्ण जानकारियां छिपाई थीं। इनमें सबसे प्रमुख आरोप 50 लाख रुपए के लोन की जानकारी नामांकन में न देने का है। यह लोन

मसूद और उनकी पत्नी के नाम पर था। ध्रुव नारायण ने इसी आधार पर मसूद के निर्वाचन को चुनौती दी है। लोन से जुड़े दस्तावेज पेश करने के आदेश हाईकोर्ट ने पहले ही मसूद को 18 अक्टूबर तक लोन से जुड़े सभी दस्तावेज पेश करने का आदेश दिया था। साथ ही, रइक बैंक से भी मसूद और उनकी पत्नी के लोन की जानकारी मांगी गई थी। मसूद ने हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। उनका दावा था कि पेश किए गए दस्तावेज फर्जी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने साक्ष्यों के आधार पर मामले को फिर से हाईकोर्ट में सुनवाई के लिए भेज दिया।

एसबीआई के दस्तावेज को सही माना

मंगलवार को जस्टिस विवेक अग्रवाल की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। अदालत ने भाजपा प्रत्याशी ध्रुव नारायण सिंह की याचिका पर अंतिम बहस सुनी। अदालत ने माना कि एसबीआई, भोपाल से लोन के लिए पेश किए गए दस्तावेजज सही हैं और बैंक अधिकारी द्वारा सत्यापित भी हैं। अदालत ने यह भी माना कि आरिफ मसूद ने चुनाव के दौरान इस लोन की जानकारी जानबूझकर छिपाई थी।

हाईकोर्ट ने याचिका खारिज नहीं की

आरिफ मसूद ने हाईकोर्ट में ध्रुव नारायण की याचिका को खारिज करने के लिए एक आवेदन भी दिया था। हाईकोर्ट ने इस आवेदन को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि मसूद द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर पहले ही विचार किया जा चुका है, इसलिए दोबारा विचार करने की कोई जरूरत नहीं है। याचिकाकर्ता के वकील, वरिष्ठ अधिवक्ता अजय मिश्रा ने बताया कि कोर्ट ने मसूद के आवेदन और सभी आपत्तियों को खारिज कर दिया है। सुनवाई के दौरान बैंक मैनेजर ने भी पुष्टि की कि लोन के जो दस्तावेज जारी किए गए हैं, वे सही हैं और बैंक के रिकॉर्ड से मेल खाते हैं। हाईकोर्ट ने माना कि लोन के दस्तावेज सही हैं और किसी भी तरह से फर्जी नहीं माने जा सकते। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अजय मिश्रा के साथ अधिवक्ता पंखुड़ी विश्वकर्मा भी मौजूद थीं।

...तो भ्रष्टाचार का दोषी पाया जाएगा

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि अगर अंतिम सुनवाई में यह साबित हो जाता है कि आरिफ मसूद और उनकी पत्नी ने बड़ी राशि का लोन लिया था और चुनाव के दौरान इसकी जानकारी छिपाई थी, तो उन्हें भ्रष्टाचार का दोषी पाया जाएगा। ऐसे में उनकी विधायकी खत्म हो सकती है। इस मामले की अगली सुनवाई 3 जनवरी को होगी।

मप्र में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 शुरू

शहर में रहने वाले 10 लाख लोगों को मिलेंगे मकान

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश के 10 लाख शहरी लोगों को पीएम आवास योजना का लाभ मिलेगा। ग्रामीण के बाद अब शहरी लोगों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 शुरू हो गई है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने इसे लेकर निर्देश जारी कर दिए हैं। इस योजना का लाभ किन लोगों को मिलेगा इसके लिए क्राइटेरिया तय किया गया है। इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि इस योजना का लाभ लेने के की क्या योग्यता है और कैसे अप्लाई कर सकते हैं। पीएम आवास योजना के तहत सरकार की तरफ से कई तरह से मदद मिलेगी। जैसे की खुद का घर बनाने के लिए आर्थिक मदद मिलेगी। सरकार खुद घर बनाकर पात्र लोगों को सस्ते में मकान उपलब्ध कराएगी। वहीं, शहरी इलाके में होम लोन लेकर मकान खरीदने वालों को ब्याज पर सब्सिडी दी जाएगी।

ऑफलाइन व ऑनलाइन आवेदन

इस योजना के लिए अप्लाई करने के लिए आवेदकों को दो दोनों तरह की सुविधाएं दी गई हैं। आवेदक पीएम आवास योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। वहीं, नगरीय निकायों में जाकर ऑफलाइन अप्लाई कर सकते हैं। ऑफलाइन आवेदन के लिए आवेदकों को उन एजेंसी पर जाना होगा जिनको इस काम की जिम्मेदारी सरकार ने दी है।

पीएम आवास योजना शहरी का लाभ लेने के

लिए कुछ पात्रता तय की गई है। शहरी क्षेत्रों में रहने वाले उन्हीं लोगों को उस योजना का लाभ मिलेगा। जिनके पास देश के किसी भी हिस्से में पक्का मकान नहीं है। वहीं, शहरी क्षेत्र में रहने वाला आवेदक ईडब्ल्यूएस, एलआईजी और एमआईजी के दायरे में आता हो। 9 लाख रुपये से ज्यादा सालना आय वाले लोग अप्लाई नहीं कर सकते हैं।

इन लोगों को मिलेगी प्राथमिकता

शहरी आवास योजना के लिए विधवा, विकलांग, सीनियर सिटीजन, ट्रांसजेंडर, एससी-एसटी, सफाईकर्मी, पीएम स्वनिधि योजना के पात्र, स्ट्रीट वेडस, पीएम विश्वकर्मा योजना, आंगवबाड़ी कार्यकर्ता, मलिन बस्तियों में रहने वाले परिवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।

अलग-अलग कैटेगरी के लिए आवेदन

जिन लोगों की वार्षिक आय 3 लाख रुपये तक है वह ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। जिनकी आय 3 लाख से ज्यादा और 6 लाख से कम है वह एलआईजी के लिए अप्लाई कर सकते हैं। वहीं, जिनकी आय 6 लाख से ज्यादा और 9 लाख से कम है वह लोग एमआईजी के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

रोजगार का मौका लेकर आई मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने युवाओं को रोजगार देने के लिए मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना शुरू की है। इस योजना में बेरोजगार युवाओं को राशन की दुकानों तक राशन पहुंचाने का काम दिया जाएगा। सरकार युवाओं को गाड़ी खरीदने के लिए लोन दिलाएगी और उस पर 3 प्रतिशत की छूट भी देगी। इस योजना से युवाओं को रोजगार मिलेगा और लोगों को समय पर राशन भी मिल सकेगा। इस योजना के तहत युवाओं को 7.5 मीट्रिक टन क्षमता वाला वाहन दिया जाएगा। वाहनों की अधिकतम कीमत 25 लाख रुपए होगी। अगर कोई युवा इससे महंगा वाहन खरीदना चाहता है, तो उसे अतिरिक्त पैसा खुद देना होगा। वाहन की कीमत का 10 प्रतिशत यानी 2.5 लाख रुपए डाउन पेमेंट देना होगा। इसमें से 1.25 लाख रुपये सरकार देगी और 1.25 लाख रुपये युवा को खुद देने होंगे। युवा महिन्द्रा से लेकर टाटा और अशोक लीलैंड जैसी कंपनियों के वाहनों में से अपनी पसंद का वाहन चुन सकते हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए कुछ शर्तें हैं। आवेदक मध्य प्रदेश का निवासी होना चाहिए और उसकी उम्र 18 से 45 साल के बीच होनी चाहिए। उसने कम से कम आठवीं कक्षा पास की हो। उसकी सालाना कमाई 12 लाख रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। उसके पास हैवी मोटर व्हीकल चलाने का लाइसेंस होना चाहिए। वह किसी भी बैंक का डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। सेवानिवृत्त सैनिक भी इस योजना का लाभ ले सकते हैं, लेकिन सरकारी कर्मचारी और पेंशनर्स नहीं। आवेदक किसी और स्वरोजगार योजना का लाभार्थी नहीं होना चाहिए और उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए। इस योजना के तहत हर वाहन से हर महीने 3000 क्विंटल राशन 4000 किलोमीटर तक पहुंचाया जा सकेगा। युवाओं को महीने में 15 से 20 दिन काम करना होगा। बाकी दिनों में वे अपने वाहन का निजी इस्तेमाल भी कर सकते हैं और अतिरिक्त कमाई कर सकते हैं। सभी वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगा होगा, जिससे उनकी निगरानी की जा सकेगी। एक केंद्रीय कंट्रोल रूम से वाहनों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। वाहनों पर लगे माइक सिस्टम से सरकारी योजनाओं का प्रचार भी किया जा सकेगा। यह योजना युवाओं के लिए रोजगार का एक अच्छा अवसर है। इससे उन्हें न सिर्फ स्थिर आय मिलेगी, बल्कि वे समाज के लिए भी योगदान दे पाएंगे। इस योजना से राज्य में राशन वितरण व्यवस्था भी और मजबूत होगी और लोगों को समय पर राशन मिल सकेगा। इस योजना से जुड़कर युवा आत्मनिर्भर बन सकते हैं और अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकते हैं।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने 'एक देश-एक चुनाव' के गिनाए फायदे

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वन नेशन वन इलेक्शन पर अपनी बात रखते हुए कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन, आज देश की आवश्यकता है। बार-बार होने वाले चुनावों से देश की प्रगति और विकास कार्य प्रभावित होते हैं। आजादी के बाद कई वर्षों तक एक साथ लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव होते रहे, लेकिन कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए विधानसभाओं को भंग करना शुरू कर दिया और देश को बार-बार चुनाव कराने की प्रक्रियाओं में उलझा दिया। कांग्रेस तो संवैधानिक नियमों और प्रक्रियाओं का निरंतर उल्लंघन करती रही है। एक साथ लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव होते हैं तो बार-बार आचार संहिता नहीं लगेगी और विकास कार्य निरंतर चलते रहेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री की ऊर्जा और समय की बचत होगी। राजनैतिक दल हमेशा चुनावी मोड में रहते हैं, इसमें कमी आएगी। मंत्री, मुख्यमंत्री एवं राजनेताओं का समय भी चुनाव की जगह विकास कार्यों में लग सकेगा। एक साथ लोकसभा और विधानसभा के चुनाव होने से नए लोगों को अवसर मिल सकेगा। बार-बार चुनाव के कारण लोक लुभावने वादों की प्रतिस्पर्धा भी समाप्त होगी। देश का और पार्टियों का चुनाव खर्च भी कम होगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रशासनिक अधिकारी, सुरक्षा बल, डॉक्टर्स, शिक्षक एवं अन्य कर्मचारियों को बार-बार चुनाव में लगने वाली ड्यूटी से मुक्ति मिलेगी और वे अपने कार्य में निरंतरता रख पाएंगे। सुदूरवर्ती क्षेत्र, नक्सल क्षेत्रों में एक साथ चुनाव होने के कारण हमारे सुरक्षाबल बार बार होने वाली चुनावी प्रक्रियाओं से मुक्त होगें एवं सुरक्षाबलों की हानि भी कम हो सकेगी। बार-बार चुनाव होने से मतदाताओं में भी उदासीनता देखने को मिलती रही है, हम इस समस्या से भी निजात पा सकेंगे। एक साथ चुनाव होने से इलेक्शन कमीशन और नवाचार कर पाएगा। कोड ऑफ कंडक्ट का सही से पालन होने के साथ-साथ चुनावी वैमनस्यता से मुक्ति मिलना, असामाजिक तत्वों पर रोक लगना, चुनावी तनाव कम होने जैसे कारक भी संभव हो सकेंगे।

हज में महिला सशक्तिकरण, बिना पुरुष साथी के यात्रा करेंगी 34 महिलाएं

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। महिला सशक्तिकरण का परचम देशभर में लहराता दिखाई दे रहा है। जहां हर क्षेत्र में महिलाओं की समान भागीदारी दिखाई दे रही है, वहीं अब हजयात्रा में भी महिलाओं को स्वतंत्र रूप से सऊदी अरब जाने की अनुमति मिल गई है। इस साल हजयात्रा पर बिना मेहरम (बिना पुरुष साथी के) हज पर जाने वाली महिलाओं में मप्र की 34 महिलाएं भी शामिल रहेंगी।

जानकारी के मुताबिक हज-2025 हेतु मध्यप्रदेश की ऐसी महिलाएं, जिनके मेहरम हज-2025 में सफल घोषित हो चुके हैं और उन्होंने हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा जारी मेहरम प्रकरण के अंतर्गत आवेदन किया था। जिसके अतंर्गत हज-2025 हेतु मेहरम श्रेणी में हज कमेटी ऑफ इंडिया को कुल 739 महिलाओं के आवेदन प्राप्त हुए थे। जिनमें से कुल 711 आवेदन पात्र पाए गए। उक्त प्राप्त पात्र आवेदनों की संख्या 500 से अधिक होने कारण हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा रेंडम डिजिटल सिलेक्शन (आरडीएस) / कुर्रा के माध्यम से 500 महिला आवेदकों का चयन कर सूची जारी की गई है। जिनमें मध्यप्रेदश की 34 महिला आवेदकों का चयन हुआ है।

इन चयनित महिला आवेदकों को पहली एवं दूसरी किश्त की कुल राशि 2 लाख 72 हजार 300 रुपए जमा करना पड़ेगी। हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर उपलब्ध सुविधाओं के माध्यम से अंतिम तारीख 30 दिसंबर तक ऑफलाइन अथवा ऑनलाइन जमा करने के लिए कहा गया है। इसके बाद ऑनलाइन हज आवेदन फॉर्म मय दस्तावेज, मूल अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट की प्रति स्व-हस्ताक्षरित, पे-इन-स्लिप/ऑनलाइन रिसिप्ट एक जनवरी तक मध्य प्रदेश राज्य हज कमेटी कार्यालय में जमा करना है।

आवेदन तारीख भी बढ़ी

मप्र राज्य हज कमेटी अध्यक्ष रफत वारसी ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया से प्राप्त जानकारी अनुसार हज-2025 हेतु हज यात्रियों को ट्रेनिंग देने के लिए चयन करने हेतु आवेदन आमंत्रित करने की अंतिम तिथि 13 दिसंबर को बढ़ाकर 22 दिसंबर कर दी गई है।

एक राहत यह भी

रफत वारसी ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया से प्राप्त जानकारी अनुसार हज-2025 के प्रतीक्षा सूची में चयनित हज यात्रियों द्वारा हज राशि की पहली एवं दूसरी किश्त के रूप में प्रति हज यात्री राशि 2 लाख, 72 हजार 300 रुपए जमा करने की आखिरी तारीख में इजाफा किया गया है। साथ ही पूर्व से प्रोवीजनल चयनित हज यात्रियों हेतु शेष हज राशि की दूसरी किश्त के रूप में प्रति हज यात्रि राशि 1 लाख, 42 हजार रुपए जमा करने की अंतिम तारीख भी अब 30 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। पूर्व में इसके लिए 16 दिसंबर तक की तारीख तय की गई थी।

भोपाल में नगर निगम द्वारा वसूले जा रहे कमर्शियल टैक्स पर रोक

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट (जबलपुर) ने भोपाल में नगर निगम द्वारा वसूले जा रहे कमर्शियल टैक्स (वाणिज्यिक लाइसेंस शुल्क) पर फिलहाल रोक लगा दी है। टैक्स वसूली के विरोध में भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (बीसीसीआई) हाईकोर्ट पहुंचा था। अध्यक्ष तेज कुलपाल सिंह पाली ने बताया कि अब 6 जनवरी को अगली सुनवाई होगी। उन्होंने बताया, मंगलवार को हुई सुनवाई में अंतरिम स्थगन आदेश दिया गया है। इसका मतलब है कि यदि संपत्ति का मालिक वाणिज्यिक लाइसेंस शुल्क का भुगतान नहीं कर रहा है, तो नगर निगम ऐसी फीस का भुगतान करने के लिए दबाव नहीं डाल सकता है। यह आदेश 6 जनवरी 2025 तक दिया गया है। इस दिन अंतिम सुनवाई होगी।

बीसीसीआई ट्रेड (कमर्शियल) और प्रोफेशनल टैक्स को खत्म करने की मांग नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, भोपाल सांसद आलोक शर्मा और महापौर मालती राय के सामने उठा चुका है। एक दिन पहले सोमवार को मंत्री विजयवर्गीय से मिले थे। इस दौरान अध्यक्ष पाली ने कहा था कि भोपाल को छोड़कर एमपी में यह टैक्स कहीं भी नहीं लिया जा रहा है। इससे व्यापारियों पर बेवजह का दबाव पड़ रहा है। इस पर मंत्री ने चर्चा की और आश्वस्त किया था कि जब पूरे प्रदेश के किसी भी शहर में कमर्शियल लाइसेंस फीस लागू नहीं है, तो भोपाल एकमात्र ऐसा शहर क्यों है, जहां वाणिज्यिक लाइसेंस शुल्क लागू है। इस विषय पर विसंगतियों को हटाने का प्रयास करेंगे। चेंबर के अजय देवनानी ने बताया कि मंगलवार को हाईकोर्ट ने टैक्स वसूली पर आगामी सुनवाई तक रोक लगाई है।

सम्पादकीय

कम्प्यूटर विजन सिस्टम होने के बावजूद क्यों मचती है भगदड़?

साउथ के मेगास्टार अल्लू अर्जुन अपनी फिल्म पुष्पा 2 के अलावा कई दिनों से संध्या थिएटर भगदड़ मामले को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में अल्लू अर्जुन को 'पुष्पा 2ः द रूल' की स्क्रीनिंग के लिए संध्या थियेटर में बुलाया था, जिसके बाद भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई थी और 2 अन्य घायल हुए थे। इसके बाद इस मामले में एक्टर को गिरफ्तार किया गया था और 14 दिसंबर, 2024 की सुबह 7 बजे उन्हें रिहा कर दिया गया।

साउथ के मेगास्टार अल्लू अर्जुन अपनी फिल्म पुष्पा 2 के अलावा कई दिनों से संध्या थिएटर भगदड़ मामले को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में अल्लू अर्जुन को 'पुष्पा 2ः द रूल' की स्क्रीनिंग के लिए संध्या थियेटर में बुलाया था, जिसके बाद भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई थी और 2 अन्य घायल हुए थे। इसके बाद इस मामले में एक्टर को गिरफ्तार किया गया था और 14 दिसंबर, 2024 की सुबह 7 बजे उन्हें रिहा कर दिया गया। इसी बीच हैदराबाद संध्या थिएटर के लेटर के वायरल होते ही पुलिस ने नया अपटेड देते हुए सच का खुलासा किया है। पहले पुलिस ने कोर्ट में दलील दी थी कि उन्होंने प्रबंधन से अभिनेता को शो में न आने के लिए कहने को कहा था। अब इस पत्र के सार्वजनिक होने से कहानी में नया मोड़ आ गया है। चिक्कड़पल्ली पुलिस द्वारा संध्या थिएटर के प्रबंधन को कथित तौर पर लिखा गया एक नोट सामने आया है, जिसमें उन्हें 'पुष्पा 2' के प्रीमियर शो के लिए अल्लू अर्जुन को थिएटर में आमंत्रित न करने की चेतावनी दी गई थी। हैदराबाद पुलिस का यह लेटर सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। चिक्कड़पल्ली पुलिस अधिकारियों के हस्ताक्षर और मुहर वाले इस पत्र में थिएटर प्रबंधन को सूचित किया गया था कि थिएटर में छोटी जगह और आस-पास होटल होने के कारण भगदड़ की संभावना है। इसी कारण प्रबंधन को 4 और 5 दिसंबर को फिल्म देखने के लिए स्टार्स को थिएटर में न बुलाने की सलाह दी गई। दरअसल भीड़-प्रबंधन व्यापक स्तर पर इनसानी मौतों से जुड़ा मुद्दा है, लेकिन उसके प्रति लापरवाही का रवैया रहा है। देश के कई हिस्सों में भीड़-प्रबंधन की नाकामी के कारण भगदड़ मचती रही है। यह अकसर पुलिस की नाकामी करार दी जाती रही है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 2014 में 95 पन्नों के दिशा-निर्देश जारी किए थे कि भीड़ को भगदड़ में तबदील होने से कैसे रोका जाए? इन दिशा-निर्देशों के बावजूद भगदड़ें मचती रही हैं। इसी साल जुलाई में हाथरस (उप्र) में एक धार्मिक सत्संग में भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ में करीब 125 मौतें हो गईं। सिर्फ आयोजकों को जेल में डाल कर घटना की इतिश्री कर दी गई। दरअसल अंग्रेजी में जिस शब्द का अर्थ 'भगदड़' है, वह घोड़ों और पशुओं की भगदड़ है, जो डरकर या उत्तेजित होकर एक ही दिशा में भागने लगते हैं। तब भगदड़ मच जाती है। 'इनसानी भगदड़' कुछ और है, उसके कारण भी भिन्न हैं, उनके लिए यह बहाना नहीं बनाया जा सकता कि सरकार ने दिशा-निर्देश जारी नहीं किए अथवा पुलिस, प्रशासन को उचित प्रशिक्षण नहीं दिया गया अथवा सरकार का रवैया संवेदनशील नहीं है। फिल्म पुष्पा-2 के संदर्भ में वह भगदड़ नहीं थी, बल्कि भीड़ की कुचलन की स्थिति थी, क्योंकि जिनकी मौतें हुई हैं, उनके शरीरों पर पैरों से कुचलने, रौंदने या चोट के निशान नहीं थे। यानी भीड़ इतनी ज्यादा और अनियंत्रित थी कि लोग सांस लेने में असमर्थ रहे, नतीजतन मौतें हुईं। ऐसी कुचलन की स्थितियां भी पैदा नहीं होनी चाहिए। भारत में पहली भगदड़, देश की आजादी के बाद, 1954 के महाकुंभ के दौरान मची थी, जिसमें करीब 800 लोग मारे गए थे। वह पहली राष्ट्रीय त्रासदी थी। 2019 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी ने इस त्रासदी को भी चुनावी मुद्दा बनाया और उस कुप्रबंधन के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और कांग्रेस को आरोपित किया, जमकर कोसा। भारत के आधुनिक इतिहास में वह अभी तक की सबसे त्रासद भगदड़ थी। आज हमारे पास दिशा-निर्देश हैं, कम्प्यूटर विजन सिस्टम है, जो भीड़ से उत्पन्न होने वाले जोखिमों के प्रति सचेत करता है, लेकिन सरकारों और पुलिस का रवैया रहा है- 'सब चलता है।' राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने खुलासा किया है कि अब भी भगदड़ की नौबत आती रहती है, क्योंकि अधिकतर सरकारों ने दिशा-निर्देश लागू ही नहीं किए हैं। यह बेहद गंभीर लापरवाही है। एक-एक इनसान और नागरिक देश के लिए मूल्यवान है। उन्हें भगदड़ में कुचला या मारा नहीं जा सकता। इस अनदेखी के लिए राज्य सरकारों को दंडित करने का प्रावधान भी होना चाहिए। संसद में उस प्रावधान को पारित किया जाए, ताकि कोई भी सरकार संघीयवाद के हनन का आरोप न लगा सके। भगदड़ की स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल की जाएं और मजबूत, ठोस संस्थानगत प्रणालियां विकसित की जाएं, ताकि पुलिस और प्रशासन के बूते ही न रहना पड़े। मॉक ड्रिल के साथ-साथ बड़ी भीड़ के प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का भी इस्तेमाल किया जाए। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) और कम्प्यूटर विजन का इस्तेमाल भी किया जाए।

राहुल पर भारी प्रियंका की वक्तृत्व फनकारी!

निःसंदेह प्रभावशीलता के इस पैमाने पर प्रियंका ने पहली ही गेंद पर चौका मारकर जता दिया है कि अभिव्यक्ति की असरदारी, वैचारिक स्पष्टता, उच्चारण की शुद्धता, हिंदी भाषा पर पकड़, सही शब्द चयन और मन मस्तिष्क की एकरूपता के मामले में वो अपने भाई पर भारी साबित होंगी। हालांकि खुद राहुल गांधी भी अपनी बहन के पहले भाषण पर गदगद थे, लेकिन यह खुशी जल्द ही अघोषित प्रतिस्पर्द्धा में भी बदल सकती है। संसदीय भाषणों के साथ सार्वजनिक सभाओं के लिए भी प्रियंका भी डिमांड राहुल से ज्यादा हो सकती है। हालांकि अच्छी संचारक होने के बाद भी प्रियंका उसको वोटों में तब्दील करने में ज्यादा सफल नहीं हो पाई हैं।

देश में संविधान स्वीकार होने के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में संसद के दोनों सदनो में 13 घंटे से ज्यादा चली विशेष चर्चा संविधान और भारत के भावी स्वरूप को लेकर गंभीर बहस से ज्यादा राजनीतिक आरोपों में उलझ गई। इससे यह भी उजागर हुआ कि खुदा न खास्ता अगर आज के राजनेताओं पर एक नव स्वतंत्र देश का संविधान गढ़ने की जिम्मेदारी आन पड़ती तो वो इसे किस तरह निभाते। निभा पाते भी या नहीं? चूंकि संविधान पर आयोजित बहस का मूल लक्ष्य विपक्ष और सत्तापक्ष द्वारा एक दूसरे को कटघरे में खड़ा करना ही था, ऐसे में देश के आम नागरिक के लिए कौतूहल का विषय सिर्फ इतना था कि गांधी परिवार से पहली बार चुनकर संसद में पहुंची प्रियंका गांधी और लोकसभा में 20 साल से जनप्रतिनिधि के रूप में मौजूद उनके सगे भाई राहुल गांधी में बेहतर संसदीय वक्ता कौन है? निःसंदेह प्रभावशीलता के इस पैमाने पर प्रियंका ने पहली ही गेंद पर चौका मारकर जता दिया है कि अभिव्यक्ति की असरदारी, वैचारिक स्पष्टता, उच्चारण की शुद्धता, हिंदी भाषा पर पकड़, सही शब्द चयन और मन मस्तिष्क की एकरूपता के मामले में वो अपने भाई पर भारी साबित होंगी। हालांकि खुद राहुल गांधी भी अपनी बहन के पहले भाषण पर गदगद थे, लेकिन यह खुशी जल्द ही अघोषित प्रतिस्पर्द्धा में भी बदल सकती है। संसदीय भाषणों के साथ सार्वजनिक सभाओं के लिए भी प्रियंका भी डिमांड राहुल से ज्यादा हो सकती है। हालांकि अच्छी संचारक होने के बाद भी प्रियंका उसको वोटों में तब्दील करने में ज्यादा सफल नहीं हो पाई हैं। हैरानी की बात यह थी कि संविधान पर बोलते हुए राहुल गांधी ने अपने वक्तव्य का ज्यादातर हिस्सा अंग्रेजी में दिया, जबकि वे अब हिंदी भाषी रायबरेली सीट से सांसद हैं। इसके विपरीत प्रियंका केरल की वायनाड सीट का प्रतिनिधित्व करती हैं, जहां की भाषा मलयालम है और लोकसभा उपचुनाव में उन्होंने मतदाताओं से अंग्रेजी में ही संपर्क किया था। बावजूद इसके प्रियंका ने हिंदी में ही अपनी बात सदन में रखी।

वैसे यह भी शोध का विषय है कि एक ही परिवार और समान परिवेश में पलने के बाद भी राहुल गांधी की हिंदी इतनी कमजोर और प्रियंका की हिंदी ज्यादा प्रभावी और कम्युनिकेटिव क्यों है? क्या ऐसा आम लोगों के बीच ज्यादा रहने के कारण है या जनता से जुड़ाव के लिए हिंदी का अच्छे ज्ञान की महत्ता को समझना है या फिर दोनो की समझ (ग्रास्पिंग) में फर्क इसकी वजह है। यूं तो इस बहस में करीब डेढ़ दर्जन लोगों ने भाग लिया। इसमें खुद को और अपनी पार्टी को संविधान की रक्षक और प्रतिपक्ष को संविधान का भक्षक साबित करने की कोशिशें हुईं। चूंकि यह कोई अकादमिक चर्चा नहीं थी, इसलिए संविधान के भावी स्वरूप और चुनौतियों पर बात होगी, इसकी संभावना नहीं के बराबर ही थी। जो बहस हुई, उससे यह कहीं भी नहीं झलका कि देश के कर्णधार संविधान के संदर्भ में भविष्य की सदी को लेकर क्या सोचते हैं, संविधान की मूल आत्मा को संरक्षित करने में उनकी प्रतिबद्धता कितनी और कैसी है। संविधान लागू होने के 70 साल बाद तक संविधान देश के पवित्रतम दस्तावेज के रूप में देखा जाता रहा है। लेकिन इस लोकसभा चुनाव में यह चुनावी अस्त्र के रूप में इस्तेमाल हुआ। उसका कुछ फायदा विपक्ष को मिला भी। सत्तारूढ़ एनडीए रक्षात्मक मुद्रा में आया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार संविधान बदलना चाहती है, विपक्ष के इस आरोप में बहुत स्पष्टता न होने से यह मुद्दा विधानसभा चुनावों में नहीं चल पाया। राहुल गांधी ने अपने भाषण में दोहराया कि देश की भावी राजनीति अब इस आधार पर तय होगी कि देश को बाबा साहब अंबेडकर के संविधान या हिंदुओं के एक ग्रंथ मनुस्मृति के आधार पर चलाया जाएगा। लेकिन कैसे यह बहुत स्पष्ट नहीं था। राहुल जब बोलते हैं तो लगता है कि उनके पास कहने को बहुत कुछ है, लेकिन वह वाणी और मस्तिष्क के अंतर्द्वद्व में कहीं फंस गया है क्योंकि आप जो लोगों से कह रहे हैं, उससे स्वयं का सौ फीसदी सहमत होना भी जरूरी होता है।

राहुल टुकड़ों-टुकड़ों में मुद्दे तो उठाते हैं, लेकिन वाक्यों को पूर्णता और निरंतरता के साथ अकसर नहीं बोलते, जिससे श्रोता की उत्कंठा बीच में ही दम तोड़ देती है। दरअसल प्रभावी वक्तृत्व एक कला है, जो विरासत में नहीं मिलती। वह या तो जन्मजात होती है या फिर उसे सतत अभ्यास से अर्जित करना पड़ता है। सहयोगी भाषण के लिए आपको मुद्दे दे सकते हैं, लेकिन उन मुद्दों को परोसने का हुनर नहीं दे सकते। इसी फिनिश लाइन पर प्रियंका अपनी पहली मेराथन रेस में राहुल से आगे जाती दिखीं। हालांकि उन्होंने राहुल के मुद्दों को राहुल के भाषण से पहले ही उठा दिया था, लेकिन सहज, शालीन और संयत अंदाज में। उन्होंने कहा कि संविधान 'सुरक्षा कवच' है लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी (भाजपा) इसे तोड़ने की कोशिश कर रही है। लोकसभा चुनाव में बीजेपी की कम सीटों ने उसे संविधान के बारे में बात करने के लिए मजबूर कर दिया है। उन्होंने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि अगर लोकसभा चुनाव में बीजेपी का यह हाल नहीं हुआ होता तो वो कब से संविधान बदलने का काम शुरू कर चुकी होती। उन्होंने पीएम मोदी पर भी तगड़ा प्रहार करते हुए कहा कि वो भारत का नहीं 'संघ' का संविधान समझते हैं। यहां संघ से प्रियंका का आशय राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से था। हालांकि संविधान में अंग्रेजी के शब्द 'फेडरल स्टेट' का हिंदी अनुवाद भी 'संघ राज्य' ही है। संविधान पर चली संसदीय बहस में प्रियंका गांधी 32 मिनट तक बोलीं। इस दौरान उनके चेहरे पर कई बार हल्की मुस्कुराहट तो कभी कटाक्ष के भाव दिखे। बातों का दोहराव बहुत कम था। जबकि राहुल गांधी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होने के बाद भी अपनी बात 26 मिनट में ही समेट दी। वे चाहते तो यह विस्तार से बता सकते थे कि कांग्रेस ने ही देश की आत्मा के अनुरूप संविधान दिया है और इसके लिए हर संभव कोशिश की है। लेकिन राहुल संविधान बचाने, जातिगणना, अल्पसंख्यक, पिछड़ो, दलित व आदिवासियों को न्याय की ही बात करते रहे, जो वो कुछ समय से लगातार कहते आ रहे हैं। शास्त्रीय संगीत में दोहराव एक गुण है, लेकिन सियासत में वो जनता के कान पकने का कारण भी बन सकता है।

यही नहीं, राहुल संसद में भी केज्युअल अंदाज में टी शर्ट पहन कर आते हैं। यह उनका स्टाइल स्टेटमेंट हो सकता है। इम्फॉर्मल दिखने और महसूस कराने की कोशिश हो सकती है। इसके विपरीत सदन में गंभीर चर्चा को वक्तृत्व के मान्य पैमानों पर ही आगे बढ़ाना होता है। वहां इम्फार्मल होना, इनकॉम्पिटेंट होना भी हो सकता है। जज्बात के साथ भाषा की सहज जुगलबंदी, सही शब्द चयन, ठोस मुद्दे और बात आपके दिल से निकली है, यह संदेश जाना भी जरूरी है।

संविधान पर समूची बहस का जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 110 मिनट के अपने भाषण में दिया। मोदी का भाषण अकादमिक पैमाने पर भले उतना प्रभावी न लगे, लेकिन आम लोगों तक अपनी बात प्रभावी ढंग से पहुंचाने की कला उनके पास है। उन्होंने विपक्ष के प्रत्येक हमले का तथ्यों के आधार पर जवाब दिया। मोदी के भाषण का लुब्बोलुआब यही था कि कांग्रेस और उसके कर्णधार संविधान कैसे बचाना है, यह हमे न सिखाएं। उन्होंने संविधान के प्रति कांग्रेस के 'पाप' गिनाते हुए कहा कि देश में आपात काल लगाना और मौलिक अधिकारों को निलंबित करना सबसे बड़ा पाप था। हमने तो दस साल में वैसा कुछ भी नहीं किया। फिर भी हमारी नीयत पर प्रश्नचिन्ह क्यों? इस परस्पर आरोप प्रत्यारोप में पगी संविधान पर विशेष चर्चा को संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर द्वारा संविधान सभा की अंतिम बैठक में दिए भाषण के आलोक में देखना होगा। डॉ. अंबेडकर ने कहा था कि संविधान का भविष्य इस बात पर निर्भर है कि उस पर अमल करने वाले लोग कैसे होंगे। संसद में हुई रस्मी बहस में भी इस संदर्भ में कोई बात नहीं हुई कि हमे संविधान के आलोक में देश को किस दिशा में और कैसे ले जाना है। अपनी कमीज प्रतिद्वंद्वी के मुकाबले ज्यादा उजली होने की मुग्धता भविष्य के प्रति बहुत आश्वस्त नहीं करती।

आह उस्ताद आह... तबला भी जार-जार रो रहा

कहते हैं कि हुनर जन्मजात होता है और उस्ताद जाकिर हुसैन अल्लारक्खा कुरैशी ने इस कहावत को अपने तबला वादन के अनोखे और अविस्मरणीय तरीके से सत्य सिद्ध किया। बोलना शुरू करने से पहले, कच्ची उम्र में घुटनों के बल रेंगते जाकिर ने घरेलू सामानों पर अपनी नन्ही अंगुलियों की थाप से लय की सहज समझ का ऐसा प्रदर्शन किया जिसे सुनकर उनके पिता, प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद अल्लारक्खा भी दंग रह गए। नन्हे जाकिर को घरेलू सामानों पर त्रुटिहीन ताल बजाते देखकर, उनके पिता ने सोचा नहीं होगा कि एक दिन यह बालक तबले को एक संगत वाद्य की बजाय दुनियाभर में प्रसिद्ध एकल वाद्य के रूप में ऐसी प्रसिद्धि दिलाएगा कि दुनियाभर के लोग टिकट खरीदकर सिर्फ तबला सुनने के लिए आएंगे। सात साल की उम्र में, वे अपने पिता, उस्ताद अल्लारक्खा, जो अपने आप में एक किंवदंती थे, के साथ मंच पर अपना पहला प्रदर्शन कर रहे थे। और 12 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला विदेशी दौरा सम्पन्न किया था जहां उन्होंने तबले की जटिल लय से वैश्विक दर्शकों को मंत्रमुग्ध करना शुरू कर दिया था।

तबला बजाते हुए, उनकी आत्मा संगीत की लय में खो जाती थी और उनका शरीर धुन के साथ नृत्य करता प्रतीत होता था। उनको तबला बजाते हुए न सिर्फ सुनना बल्कि देखना भी एक अलौकिक और दिव्य अनुभव था। अविश्वसनीय गति से उनकी उंगलियां तबले पर नृत्य करती थीं और उनकी धुनें सुनने वालों को एक नए आयाम में ले जाती थीं। निपुणता और रचनात्मकता से लबरेज उनकी संगीत यात्रा एक पवित्र नदी की तरह थी, जो अपने साथ संगीत का अमृत लेकर बहती थी। उनका संगीत एक जादू की तरह था, जो सुनने वालों को अपनी गहराई में डूबने के लिए मजबूर कर देता था। जाकिर हुसैन का मानना था कि संगीत सीमाओं के पार लोगों को एकजुट कर सकता है। उनके अनुसार संगीत मानवता की धड़कन है - यह हमें हमारे अतीत और एक-दूसरे से जोड़ता है। वैश्विक संगीत संस्कृति पर उनका प्रभाव और भारतीय संगीत विरासत के राजदूत के रूप में उनकी भूमिका बेमिसाल रही है।

9 मार्च 1951 को एक प्रतिष्ठित संगीत परिवार में माता बावी बेगम जी कोख से जन्मे जाकिर की प्रारम्भिक शिक्षा मुंबई के सेंट माइकल हाई स्कूल से बुई और सेंट जेवियर्स कॉलेज से उन्होंने स्नातक की उपाधि हासिल की। 2005-2006 शैक्षणिक वर्ष के दौरान, जाकिर हुसैन प्रिंसटन विश्वविद्यालय में संगीत विभाग में पूर्णकालिक प्रोफेसर और ओल्ड डोमिनियन फेलो थे। इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में भी कार्य किया था।

भारत सरकार ने इस विलक्षण संगीत प्रतिभा को 1988 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त, उन्हें 1990 में रत्ना सदस्य, संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला। हुसैन चार बार ग्रैमी पुरस्कार विजेता भी रहे। जाकिर हुसैन की वैश्विक ख्याति द ग्रेटफुल डेड के मिकी हार्ट जैसे कलाकारों के साथ सहयोग के माध्यम से पुख्ता हुई। संयुक्त राज्य अमेरिका ने उनको पारंपरिक कलाकारों के लिए सर्वोच्च सम्मानों में से एक नेशनल हेरिटेज फेलोशिप से सम्मानित किया था।

भारतीय शास्त्रीय संगीत के अलावा, जाकिर हुसैन ने कई तरह की शैलियों में दूसरे देशों के जाने-माने संगीतकारों के साथ काम किया है। जिनमें हरिप्रसाद चौरसिया, पंडित रविशंकर, जॉर्ज हैरिसन, यो-यो मा, बेला फ्लेक, जॉन मैकलॉघलिन और मिकी हार्ट जैसे महान कलाकार शामिल हैं। उनकी साझेदारियों से बना संगीत सांस्कृतिक और भाषाई सीमाओं से परे था। उनका कहना था कि जब हम साथ में बजाते थे, तो ऐसा लगता था कि हम एक वैश्विक भाषा में संवाद कर रहे हैं। जॉन मैकलॉघलिन के साथ फ्यूजन बैंड शक्ति के संस्थापक सदस्य के रूप में, उन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत को जैज और रॉक के साथ मिलाकर एक बिल्कुल नई शैली बनाई। उनका ग्रैमी विजेता एल्बम प्लैनेट ड्रम विश्व संगीत में मील का पत्थर बन गया। हुसैन ने इस अनुभव का वर्णन करते हुए कहा था कि यह केवल संगीत नहीं था - यह संस्कृतियों के बीच वार्तालाप था, हर थाप एक कहानी बयां कर रही थी। वे अकसर कहा करते थे कि संगीत असीम है; जितना आप सीखते हैं, उतना ही आपको एहसास होता है कि अभी कितना कुछ और बूझना बाकी है। इन-कस्टडी और वानप्रस्थम सहित अन्य फिल्मों के लिए उनकी संगीत रचनाओं ने भावनाओं को लय में बदलने की उनकी क्षमता को दर्शाया। वे कहते थे कि किसी फिल्म के संगीत की रचना करना ध्वनि से पेंटिंग बनाने जैसा है। हालांकि जाकिर हुसैन को उनके संगीत के लिए ज्यादा जाना जाता है, लेकिन उन्होंने अभिनय में भी हाथ आजमाया। उन्होंने हीट एंड डस्ट (1983) और द परफेक्ट मर्डर (1988) हीट एंड डस्ट (1983) जैसी कुछ फिल्मों में काम किया। उन्होंने साज में भी अभिनय किया, जो कथित तौर पर आशा भोंसले और लता मंगेशकर के जीवन पर आधारित थी। एक अभिनेता के रूप में उनकी अंतिम भूमिका मंकी मैन में थी।

अपनी वैश्विक ख्याति के बावजूद अपने पैदाइशी संस्कारों की जड़ों से जुड़े जाकिर हुसैन की निजी जिंदगी की भी अपनी अलग कहानी है। उनकी लयबद्ध जीवन यात्रा उतनी ही विविधतापूर्ण थी जितनी कि उनके तबले की थाप। माहिम में एक साधारण चाल में बिताए गए उनके शुरुआती वर्षों ने उनके संस्कारों को गहराई दी। एक वो दौर भी था जब पूरा परिवार एक कमरे में रहता था और सार्वजनिक शौचालय का उपयोग करता था। इतालवी-अमेरिकी कथक नृत्यांगना एंटोनिया मिनेकोला से अपनी मां की मंजूरी के बिना शादी के बारे में, एक साक्षात्कार में जाकिर ने कहा, एंटोनिया कलात्मक यात्रा में मेरी भागीदार थीं। उन्होंने मेरे अस्त-व्यस्त, भ्रमणशील जीवन में स्थायित्व लाया। उस बारे में चर्चा करते हुए उन्होंने बताया था कि हमारे खानदान में, यह पहली मिश्रित शादी थी। इसलिए मेरे पिता से ज्यादा, मेरी मां परेशान थी, उनके लिए एक विदेशी महिला को अपनी बहु के रूप में अपनाना बहुत मुश्किल था। अंततः परंपरा के बजाय व्यक्ति के महत्व को पहचानते हुए उनकी मां ने एंटोनिया को अपना लिया। उनकी बेटियां, अनीसा और इसाबेला, एक ऐसे घर में पली-बढ़ीं जहां कला और परंपरा का अतुलनीय संगम हर पल सांस लेता है। अनीसा ने यूसीएलए से स्नातक किया है और वे एक फिल्म निर्माता हैं। इसाबेला मैनहट्टन में नृत्य की पढ़ाई कर रही हैं।

संगीत की दुनिया में बड़ी सफलता हासिल करने और एक बड़ी हस्ती बनने के बावजूद, वे विनम्र और जमीन से जुड़े रहे। उन्होंने कभी भी अपनी प्रसिद्धि या स्थिति को अपने आचरण पर हावी नहीं होने दिया; वे हमेशा अपने विनम्र स्वभाव के लिए जाने जाते थे। लोकप्रिय चाय ब्रांड ताज महल के विज्ञापन ने उन्हें व्यापक प्रसिद्धी दिलाई थी लेकिन जाकिर हुसैन कभी भी नखरे या अहंकार में लिप्त नहीं रहे। वे अपनी कला और काम को सबसे ऊपर रखते थे। हरिदास वटकर 18 साल से भी ज्यादा समय से हुसैन के तबले बना रहे हैं। हरिदास ने बताया कि उन्होंने तबला बनाना इसलिए सीखा ताकि वे हुसैन के लिए खास तौर पर तबले बना सकें। मंच से परे जीवन में हुसैन को कविता, क्रिकेट और टेनिस पसंद था, और रोजर फेडरर उनके पसंदीदा व्यक्तित्व में से एक थे। लोगों को सबसे ज्यादा था उनका शांत, मौज-मस्ती करने वाला और मिलनसार व्यक्तित्व। उनमें हर किसी से जुड़ने की अद्भुत क्षमता थी, चाहे वे साथी संगीतकार हों, प्रशंसक हों या आम व्यक्ति। 73 वर्ष की आयु में उस्ताद का सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल में निधन हो गया। इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस, एक पुरानी फेफड़ों की बीमारी उनकी मृत्यु का कारण बनी। उनकी मृत्यु ने कभी नया भरने वाला एक बड़ा शून्य छोड़ दिया है, लेकिन उनका संगीत उन्हें सदैव जीवित रखेगा। एक तबला वादक और भारतीय शास्त्रीय संगीत के अग्रदूत के रूप में जाकिर हुसैन की विरासत आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करेगी। सर्वकालीक महान कलाकार के निधन पर उनके प्रशंसकों के साथ तबला भी जार-जार रो रहा है।

बिना नोटिस दिए घर तोड़ने का आरोप

पीड़ित परिवार पहुंचा कलेक्टर कार्यालय

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, तहसीलदार द्वारा बिना नोटिस दिए घर तोड़ने का आरोप लगाते हुए पीड़ित परिवार ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर शिकायत की। मंगलवार को ग्राम देवली निवासी राकेश मालवीय अपने परिवार के साथ शाजापुर कलेक्टर कार्यालय पहुंचा और यहां शिकायती आवेदन देकर बताया कि विगत कई सालों से वह जिस मकान में निवासरत थे, उसे तहसीलदार के द्वारा बिना किसी नोटिस दिए बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया गया। बेहद सर्द मौसम में तहसीलदार द्वारा की गई कार्रवाई पर

सवाल खड़े करते हुए पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि उक्त कार्रवाई दबाव में आकर की गई है और इस कारण अब परिवार खुले में रहने को मजबूर है। उन्होने बताया कि मकान तोड़ने से उनके परिवार को शीतल कालीन मौसम में ठंड सहित अन्य आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मकान दोबारा बनाए जाने के लिए कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक सिंचाई परियोजना का शुभारंभ

66 गांवों के किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पार्वती कालीसिंध चंबल लिंक परियोजना अंतर्गत 2 हजार 545 करोड़ रुपए की लागत से संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक सिंचाई परियोजना के निर्माण निर्माण कार्य का शुभारंभ जयपुर से किया गया। जिसका सीधा प्रसारण ग्राम दुपाड़ा में आयोजित जिला स्तरीय किसान सम्मेलन कार्यक्रम में दिखाया गया। इस परियोजना से कालीसिंध कॉम्पेक्स जिसकी सिंचाई क्षमता 15500 हेक्टेयर तथा लखुन्दर कॉम्पलेक्स जिसकी सिंचाई क्षमता 25000 हेक्टयेर का निर्माण किया जायेगा। साथ ही संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक सिंचाई परियोजना से शाजापुर जिले के 66 गांवों के किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलने लगेगा, जिससे जिले के लगभग 20 हजार से अधिक हितग्राही लाभांवित होंगे। जिला स्तरीय किसान सम्मेलन में विधायक श्री अरूण भीमावद ने संबोधित करते हुए कहा कि जिले में विकास की गंगा बहाने में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक सिंचाई परियोजना से शाजापुर जिले के 66 गांवो में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलने लगेगा, जिससे किसानों की आय में वृद्धि एवं आर्थिक संपन्नता आयेगी। साथ ही उन्होंने इस परियोजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा हितग्राहियों के लिए अनेको जनकल्याणकारी

योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने परियोजना के लाभ के बारे में बताते हुए किसानों से कहा कि उन्हें खेती में अब स्प्रींकलर तकनीक को अपना चाहिए जिससे कम पानी में अच्छी खेती कर सकें। इस दौरान उन्होंने शाजापुर विधानसभा में किए गए विकास कार्यो के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने ग्राम दुपाड़ा में सीएम राईज विद्यालय, श्मशान घाट पर टीन शेड निर्माण, दुपाड़ा मार्ग निर्माण व स्ट्रीट लाईट सहित अन्य किए जाने वाले विकास कार्यो की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने संरपंचो से कहा कि वे अपनी ग्राम पंचायतों में 05-05 विकास के कार्य की योजना बनाए, उनके द्वारा इन विकास के कार्यो के लिए सहायता राशि प्रदान की जायेगी। इस अवसर पर उन्होंने विकास के कार्यो में सहयोग के लिए जिला प्रशासन की प्रशंसा कर धन्यवाद भी दिया। श्री अशोक नायक ने जिले में विकास के कार्यो लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि विधायक श्री भीमावद के अथक प्रयासों से क्षेत्र में कई सारे विकास के कार्य किये जा रहे, जिसमें अब शाजापुर जिले में मेडिकल कॉलेज एवं मण्डी खोलना बहुत बड़ी सौगात है। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने कहा कि संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक सिंचाई परियोजना के निर्माण होने से शाजापुर क्षेत्र की लगभग 35500 हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित हो जायेगी तथा जिले के 66 गांवो में किसानों के पास सिंचाई के लिए पर्याप्त रूप से पानी होगा। साथ ही माईक्रोईरिगेशन के माध्यम से स्प्रिंकलर पाईप द्वारा सिंचाई की जा सकेगी। साथ ही साथ जलस्तर बढ़ेगा तथा गर्मी में पेयजल की व्यवस्था भी बेहतर होगी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिए दो बैराज बनाए जाएंगे, जिससे जल्द ही क्षेत्र सिंचित हो जाएगा। उन्होंने जनप्रतिनिधिगणों से इस परियोजना की महतता की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने लिए कहा किया। इससे किसानों की आय में बढ़त भी होगी। कलेक्टर सुश्री बाफना ने बताया कि जिले में राजस्व महाअभियान एवं जनकल्याण अभियान संचालित किया जा रहा है, इन अभियान के माध्यम से शासन की समस्त जनकल्याणकारी योजनाओं में सभी पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए जिले के प्रत्येक गांव में जनकल्याण शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने स्वामित्व योजना के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि शाजापुर जिले में एक सप्ताह में स्वामित्व योजना का कार्य पूर्ण होने वाला है, इस योजना के माध्यम से आबादी क्षेत्र के हितग्राहियों को पट्टा प्रदान किया। इस दौरान श्री वीरेन्द्र पाटीदार, श्री दीपक पालीवाल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन श्री ललित पालीवाल ने किया। कार्यक्रम के पूर्व ग्राम दुपाड़ा में कलश यात्रा भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया, नगरपालिका उपाध्यक्ष श्री संतोष जोशी, श्री दिनेश शर्मा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री प्रदीप चंद्रवंशी, सरपंच प्रतिनिधि श्री सचिन पाटीदार, श्री किरण ठाकुर, श्री गोपाल राजपूत, श्री आशीष नागर, श्री श्याम टेलर, श्री उमेश टेलर, श्री सुमित राठौर, श्री राजेश पाटीदार तथा कार्यपालन यंत्री जलसंसाधन श्री अनमोल टोप्पो, एसडीओ श्री अंकित पाटीदार, उपसंचालक कृषि श्री केएस यादव, उपसंचालक उद्यानिकी श्री मनीष चौहान सहित जनप्रतिनिधिगण व गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में किसान व महिलाएं मौजूद थी।

सौर ऊर्जा जागरूकता को लेकर कार्यशाला आयोजित

बिजली कंपनी ने बताए पीएम सूर्य घर योजना के लाभ

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत घरों की छतों पर लगने वाले सोलर पैनल से उत्पन्न होने वाली बिजली के संबंध में गुलाना ग्राम पंचायत में कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्य पालन यंत्री रत्नेश अयाची ने ग्रामवासियों को प्रधामनंत्री सूर्य घर योजना के विषय में जानकारी दी। उन्होने बताया कि घर की छतों पर सोलर पैनल लगाने से उपभोक्ता अपने घरेलू बिलों को कम करने के साथ ही मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेकर बिजली उत्पादन कर सकते हैं। वहीं कार्यशाला को संबोधित करते हुए लुमिना सोलर टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर दीपक अग्रवाल ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत बताया कि उपभोक्ता अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगाकर स्वयं की

बिजली उत्पादन करने के साथ ही।1 किलो वॉट पर 30, 000 हजार, 2 किलो वॉट पर 60, 000, 3 किलो वॉट से लेकर 10 किलो तक 78, 000 हजार रुपए की सब्सिडी अपने बैंक खाते में प्राप्त कर सकते हैं। उक्त योजना के तहत उपभोक्ता को राष्ट्रीयकृत बैंक से नियम अनुसार ऋण सुविधा मिलती है। यदि कोई उपभोक्ता अपने घर की छत पर 1 किलो वॉट का सोलर पैनल सिस्टम लगवाता है तो 90 से 120 यूनिट, 2 किलो वॉट सोलर सिस्टम लगवाने पर 210 से 250 यूनिट और 3 किलो वॉट का सोलर पैनल सिस्टम लगवाने पर 360 से 400 यूनिट बिजली का औसत उत्पादन होता है। कार्यशाला में गुलाना जेई भीमशरण गौतम, जेई आदित्य पटेल सहित ग्रामवासी मौजूद थे।

लालबर्रा उपकेंद्र ददिया मनरेगा केप में हि धान खरीदी, प्रारंभ करवाने किसानों ने कि मांग

बम्हनी-ददिया के किसानों ने लालबर्रा तहसीलदार को दिया ज्ञापन

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ । लालबर्रा, जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत ददिया व बम्हनी के किसानों ने पुराने स्थान पर हि धान खरीदी करने कि मांग लालबर्रा तहसीलदार से कि है। तथा नये स्थान पर धान खरीदी पर आपत्ति जताई है। तथा उक्त नये स्थान पर अवस्था सहित अन्य परेशानियों का उल्लेख उनके पत्र में लेख है। वहीं पत्र में उल्लेख है कि वृताकार सहकारी समिति लालबर्रा के उपकेंद्र ददिया रामजी वेयरहाउस में धान खरीदी का कार्य किया जा रहा था किंतु वेयरहाउस के अंदर धान खरीदी नहीं करने दिया जा रहा है बाहर खरीदी के लिए पर्याप्त जगह नहीं है शाम 6:00 बजे के बाद रामजी वेयरहाउस को बंद किया जा रहा है जिससे किसानों को बहुत परेशानी जा रही है पुराना उपार्जन केंद्र ददिया मनरेगा केप में खरीदी किया जाए। साथ पुराने स्थान पर हि धान खरीदी करने कि मांग ददिया सरपंच श्रीमती रिषी पंछी भलावी ने तहसीलदार महोदय से पत्र के माध्यम से किसानों के हित में कि है।

वहीं आवेदन देते समय बी आर ढबाले सरपंच बम्हनी,ललित लानगे,झनकलाल लानगे, लेखराम तुमसरे,मनीराम तुमसरे,किरन लांजेवार,युवराज अगुरे,प्रेमलाल रहांगडाले,संतोष लुटे,दुर्गाप्रसाद,लोकराम लुटे, श्रीराम बुराडे,अशोक बोपचे,

दिनेश,देवकरण पंचेश्वर,सेवकराम बरले,सहित सैकड़ों किसानों ने तहसीलदार महोदय से पुराने स्थान पर हि धान खरीदी करने कि मांग कि है।

इनका कहना है।

आज हि किसानों का आवेदन पत्र मिला है हमने संबंधित अधिकारी को मौके स्थल पर जाने कह दिया है,म प्र वेयर हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों को भी अवगत करा दिया गया है किसानों के हित में जो भी होगा वह किया जायेगा।
कन्हैयालाल टेकाम
तहसीलदार लालबर्रा

यहां पर हम धान लेकर आये हुए थे किन्तु जगह कि समस्या बन रही है और यह जो वेयरहाउस बना हुआ है वह भण्डारण के लिए बना हुआ है और खाद्य विभाग से जो मैनेजर लोग आये हुए हैं उनका कहना है कि यह भण्डारण के लिए हि बना हुआ है यहां पर खरीदी नहीं की जायेगी मेरा शासन से निवेदन है कि पुराने स्थान पर हि खरीदी प्रारंभ कि जाये और वहां से परिवहन लाकर यहां पर रखा जाये।
-- ललित लानगे किसान

दो दिन पहले हम अंदर हि खरीद रहे थे गोदाम वाले कह रहे हैं कि बाहर हि खरीदी करने कह रहे हैं बाहर प्रयाप्त जगह नहीं है इस वजह से किसानों को भी समस्या हो रही है और हमको भी समस्या आ रही है बाहर केवल सीमित जगह है इस वजह से परेशानी जा रही है।
-- धान खरीदी प्रभारी

प्रदेश का हर व्यक्ति 50 हजार रूपये का कर्जदार बना

प्रतिक के तौर पर विरोध करने कटोरा लेकर विधानसभा पहुंची विधायक अनुभा मुंजारे

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र चल रहा है इस सत्र में बालाघाट की कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे अपनी तेज तर्रार भूमिका में देखी जा रही है वह ना सिर्फ विधानसभा में सरकार से सवाल कर रही बल्कि सदन के बाहर भी जनता की आवाज को मुखर कर रही है आज विधानसभा सत्र के दूसरे दिन विधायक अनुभा मुंजारे कांग्रेस के अपने अन्य विधायकों के साथ प्रतिक के तौर पर विरोध करने कटोरा लेकर विधानसभा पहुंची विधायक अनुभा मुंजारे ने अपने हाथ में कटोरा रखते हुए प्रदेश सरकार की आम जनता को कर्जदार बनाने का विरोध किया गया विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि आज मध्यप्रदेश का हर हर व्यक्ति 50000 रूपये का कर्जदार बन गया है सरकार कर्ज

पर कर्ज लेकर आम आदमी को भी कर्जदार बना रही है प्रदेश के हर एक व्यक्ति पर इस सरकार के रहते 50000 रूपये का कर्जा हो गया लेकिन सरकार के खर्चे कम नहीं हो रहे कार्यक्रम और प्रचार प्रसार के नाम पर करोड़ो अरबो रूपये खर्च किये जा रहे है आम जन को कर्जदार बनाने के विरोध में प्रतीक के रूप में आमजन की आवाज बनकर हमने कटोरा लेकर विरोध प्रदर्शन किया है मध्यप्रदेश विधानसभा भवन स्थित गांधी जी की प्रतिमा के निकट यह विरोध प्रदर्शन किया गया है.विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि प्रदेश की सरकार को किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने के लिए रूपये नहीं है किसान धान उपज माटी मोल बेचने मजबूर है आपने किसानों से धान,गेहूं सोयाबीन की खरीदी को लेकर राशि सहित वादा किया था उसे नहीं निभा रही है सरकार की मंशा अपनी और अपने नेताओं की ब्रांडिंग कर खर्च करना और आमजन को कर्ज में डुबोना रह गई है लगातार सरकार होने के बावजूद बीजेपी सरकार की कोई उपलब्धि नहीं है बल्कि हर तरफ भ्रस्टाचार, अनियमितता और उत्पीड़न का बोलबाला रह गया है इस सरकार की जितनी आलोचना की जाये कम है।

कटनी में मनाया गया विजय दिवस, बजी देश भक्ति क़ी धुन

पुलिस बल, जिला कलेक्टर व जनप्रतिनिधि उपस्तिथ रही

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, मिशिन चौक पर मनाया विजय दिवस,देश भर में 16 दिसम्बर को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी के परिपेक्ष मे आजमिशिन चौक पर पुलिस बल के साथ जिला कलेक्टर व जनप्रतिनिधि के बीच देश भक्ति क़ी धुन के प्रस्तुति के साथ विजय दिवस मनाया गया। आपको बता दे वर्ष 16 दिसम्बर को 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत के कारण मनाया जाता है। इस युद्ध के अंत के बाद 93,000 पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण

कर दिया था। साल 1971 के युद्ध में भारत और बांग्लादेश की संयुक्त सेना ने पाकिस्तान को पराजित किया, जिसके बाद पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र हो गया, जो आज बांग्लादेश के नाम से जाना जाता है। यह युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक और हर देशवासी के हृदय में उमंग पैदा करने वाला साबित हुआ जिसमे भारत के लगभग 38 हजार सैनिक शहीद एवं लगभग 98 हजार सैनिक घायल हुए थे।

कोतवाली पुलिस ने सेंट पॉल स्कूल में चलाया विशेष जागरूकता अभियान

बच्चों को भी कानून की विस्तृत जानकारी

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, बच्चों के माध्यम से आमजन को जागरूक करने कोतवाली पुलिस ने सेंट पॉल स्कूल में चलाया विशेष जागरूकता अभियान कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के निर्देशन में पूरे जिले में नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा, सायबर जागरूकता एवं यातायात नियमों के प्रचार प्रसार हेतु वृहद स्तर पर शहर के सभी स्कूलों, कॉलजो मुख्य चौराहों एवं अन्य स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे है।इसी तारतम्य में थाना प्रभारी कोतवाली आशीष कुमार शर्मा साइबर प्रभारी व अपने स्टाफ के साथ सिविल लाईन स्थित सेंट पॉल स्कूल कटनी में जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के

दौरान सेंट पॉल स्कूल के प्रिसिंपल, समस्त स्टॉफ एवं सीनियर व जूनियर बच्चे उपस्थित रहे। थाना प्रभारी कोतवाली निरी. आशीष कुमार शर्मा द्वारा कार्यक्रम के दौरान पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियानों जैसे नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा, सायबर जागरूकता एवं यातायात नियमों का पालन करने संबंधी विषयों पर विस्तृत रूप से जानकारी दी बच्चों से कहा कि वे अपने परिजनों को नशे से दूर रहने की बात बताएं अपने माता-पिता को यातायात के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें।

हजारों छात्राओं के साथ ABVP किया कन्या महाविद्यालय का घेराव

लगातार 2 घंटे तक तालाबंदी करते हुए ABVP के कार्यकर्ताओं ने छात्राओं के साथ मिलकर किया उग्र आंदोलन

सतना। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं का कहना है कि कन्या महाविद्यालय में लगातार छात्राओं को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओ ने महाविद्यालय की छात्रा बहनों के साथ मिलकर हाल ही में आए प्रथम व द्वितीय वर्ष के परीक्षा परिणाम में हुई त्रुटियों के सुधार हेतु, प्राचार्य का छात्राओं व महिला प्रध्यापिकाओं , कर्मचारियों के प्रति अभद्र व्यवहार को लेकर ,महाविद्यालय के मुख्य गेट के सामने व 100मीटर तक लगने वाले ठेले व दुकानों को पूर्णत बंद कर उन पर उचित कार्यवाही की जाए, महाविद्यालय में अध्ययन करने वाली छात्राओं के लिए शौचालय व्यवस्था ,शुद्ध पेयजल व्यवस्था, साथ ही कई वर्षों से बंद पड़े छात्रावास को चालू किया जाय जिससे ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को रहने की सुविधा मिल सके, महाविद्यालय में सेनेटरी वेंडिंग मशीन अति शीघ्र लगवाई जाए आज इन

प्रमुख समस्याओं को लेकर ABVP ने किया उग्र आंदोलन। विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं का कहना है कि महाविद्यालय में अध्ययनरत बहने लगातार परेशान रहती हैं उन्हें प्रत्येक कार्य के लिए प्राचार्य के माध्यम से अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय भेजा जाता है और वहां भी प्रत्येक छात्राओं से घूस लिया जाता है तब जाकर विश्वविद्यालय में कोई कर्मचारी उनकी बातें सुनता है, और वहां के कर्मचारी भी छात्राओं को इधर-उधर भटकने का कार्य करते हैं, आखिर कब तक महाविद्यालय प्राचार्य छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ करने का ठेकेदार बना रहेगा,आज इसी आक्रोश में महाविद्यालय की हजारों बहनों के साथ मिलकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने घेराव किया है , वहां उपस्थित जिला प्रशासन व प्राचार्य को समस्याओं को अवगत कराते हुए विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि जल्द ही इन सभी समस्याओं का निराकरण नहीं होता है तो विद्यार्थी परिषद इन समस्याओं को लेकर चक्का जाम करेगा,जिसका जिम्मेदार महाविद्यालय प्रशासन व जिला प्रशासन भी होगा।

सतना कलेक्टर ने कहा- लोग सोचते रह जाते हैं और विन्ध्य चेम्बर कार्य कर जाता है

सतना, सतना में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और जरूरतमंद व्यक्ति को कंबल की आज अत्यन्त आवश्यकता है और यह सभी सोचते भी है कि उन्हे कंबल बांटना चाहिए किन्तु विन्ध्य चेम्बर सोचता ही नही तुरन्त सेवा कार्य हेतु आगे आता है और आज जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के लिए कंबल प्रदान करने के साथ ही इस कार्यक्रम की शुरूआत कर दी है। उक्त बातें विन्ध्य चेम्बर द्वारा जिला चिकित्सालय प्रशासन को (भर्ती मरीजों हेतु) कंबल प्रदान करने के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर अनुराग वर्मा द्वारा कही गई। विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने अपने उद्बोधन मे कहा कि जो व्यापारी और व्यावसायिक संस्था इस तरह के सेवा कार्य करते है उनके व्यापार में भी उत्तरोत्तर प्रगति होती है। चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने अपने उद्बोधन मे सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कलेक्टर सतना के सफलतम 3 वर्ष के कार्यकाल की बधाई प्रदान

की और कहा कि पूरे जिले मे हमारे व्यापारियों की टीम है जहां कही भी जरूरतमंद होगे चेम्बर पदाधिकारी जाकर कंबल दे कर आयेगे चेम्बर महामंत्री संदीप कुमार जैन ने बताया कि विशेष सहयोग के लिए कलेक्टर साहब द्वारा श्री गुजराती समाज, रमेश गुप्ता, सेवकराम आवतवानी, संजय अग्रवाल चांदी, अमित अग्रवाल, अमित भावनानी, नन्दलाल रोहड़ा, को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, सी.एच.एम.ओ. एल.के. तिवारी, सिविल सर्जन मनोज शुक्ला, चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोहर वाधवानी, महामंत्री संदीप कुमार जैन, मंत्री हरिओम गुप्ता, प्रिन्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय शाह, पन्नीलाल चैक व्यापारी संघ के अध्यक्ष नवीन गुप्ता, रेडीमेड वस्त्र व्यापारी संघ के अध्यक्ष अशोक वाधवानी, कार्यकारिणी सदस्य हिमांशु अरोरा, विनोद गेलानी, संजय अग्रवाल, दिलीप सोनी, अमित भावनानी, अग्रवाल राकेश रिन्कू, अनिल मोटवानी, विनोद गुप्ता, रोहित अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुरेश बाषाणी, केशव माखीजा, आशीष मोंगिया, रमेश गुप्ता, तरूण ठक्कर, सेवकराम आवतवानी, विक्रम चैधरी सहित अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

जनपद में विजय दिवस के अवसर पर आयोजित हुए कार्यक्रम

एनसीसी कैडेट्स ने देखी गतिशील प्रदर्शनी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर (बेहट), भारतीय सेना द्वारा आयोजित विजय दिवस समारोह में 84 UK NCC Bn के 200 एनसीसी कैडेट्स को भारतीय सेना की विविध क्षमताओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। इस रोचक कार्यक्रम में कई गतिशील प्रदर्शनों का आयोजन किया गया। जिसमें शक्तिशाली बोफोर्स तोप की डिप्लॉयमेंट, कमांड पोस्ट ड्रिल, गन ड्रिल, RPAS (रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम्स), ड्रोन, एम्युनिशन और अन्य उपकरण का व्यापक प्रदर्शन शामिल था। तगड़ा गनर्स ने कुशलता से लक्ष्यों को पहचानने और उन्हें निशाना बनाने की सटीक प्रक्रिया का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम ने यह प्रदर्शित किया कि गन क्षेत्र में तैनाती के बाद, तोपों ने युद्धभूमि में जमीनी टुकड़ियों को महत्वपूर्ण फायर सपोर्ट देने के प्रक्रिया को दर्शाया। कैडेट्स को सुरक्षा

मापदंडों पर भी निर्देश दिया गया। उन्होंने टैंक लक्ष्यों या गन क्षेत्र से दिखाई देने वाली किसी भी चलती टुकड़ियों को निशाना बनाने की प्रत्यक्ष शूटिंग प्रक्रिया भी देखी। इस कार्यक्रम ने कैडेट्स को जवानों और अधिकारियों की दिनचर्या, उनके संचालनात्मक भूमिकाओं और मिशनों के लिए उन्हें तैयार करने वाले कठोर अभ्यासों की समझ प्रदान की। कैडेट्स ने इससे ज्ञानवर्धक अनुभव लिया और हमारे शहीदों को उनकी बहादुरी के लिए नमन किया।

मुख्य विकास अधिकारी ने पोषण ट्रैकर पर मेजरिंग एफिशिएंसी होम-विजिट THR डिस्ट्रीब्यूशन की फीडिंग तथा अन्य सभी घटकों की फीडिंग प्रत्येक माह शत- प्रतिशत करने के दिए निर्देश

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिला पोषण समिति की बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन ने समीक्षा के दौरान पोषण ट्रैकर पर मेजरिंग एफिशिएंसी होम- विजिट THR डिस्ट्रीब्यूशन की फीडिंग तथा अन्य सभी घटकों की फीडिंग प्रत्येक माह शत- प्रतिशत करने के निर्देश दिए। समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जहां पर सैम बच्चे नहीं सुधर पाए हैं सबसे पहले उन बच्चों पर पोषाहार लाभान्वित किया जाए। जिससे उनको सैम से सुधार की तरफ लाया जा सके। गृह भ्रमण पर जिन बाल विकास परियोजनाओं की प्रगति कम पाई गई उन बल विकास परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी अपने क्षेत्रों में जाकर आंगनबाड़ी केंद्रों का भ्रमण करें। पोषण ट्रैकर पर चिन्हित SAM तथा अति कुपोषित बच्चों को वीएचएसएनडी पर लाकर उनकी स्वास्थ्य जांच तथा आवश्यकता पड़ने पर

सीएचसी- पीएचसी/ एनआरसी संदर्भित करने का निर्देश दिया गया। प्रत्येक VHSND सत्र पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपने समस्त वेइंग स्केल लेकर सत्र पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन द्वारा एनआरएलएम विभाग को निर्देशित किया गया कि जनपद में स्थापित 7 THR इकाइयों में गुणवत्तापूर्ण पोषाहार का उत्पादन करना सुनिश्चित करें साथ ही उनका समय से वितरण भी कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने समस्त खंड विकास अधिकारियों को आंगनबाड़ी केन्द्रों के कायाकल्प, लर्निंग लैब से संबंधित आंगनबाड़ी केंद्र की फोटोग्राफ उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर बर्तन उपलब्ध कराए जाने हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर प्रवीण कुमार, डीसी एनआरएलएम इंद्रपाल सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी नन्दलाल प्रसाद डीसी मनरेगा, समस्त खंड विकास अधिकारी तथा पोषण समिति के समस्त सदस्य, जनपद के समस्त सीडीपीओ द्वारा प्रतिभाग किया गया।

पेंशनरों के साथ किया जाए विनम्रता पूर्वक व्यवहार -अपर जिलाधिकारी रजनीश कुमार मिश्र

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुआ पेंशनर दिवस

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र की अध्यक्षता एवं मुख्य कोषाधिकारी विजय शुक्ला के समन्वयन में विभिन्न पेंशनर संगठनों के अध्यक्ष एवं मंत्री की उपस्थित में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में पेंशनर दिवस का आयोजन किया गया। पेंशनर दिवस में विभिन्न पेंशनर संगठनों ने आहरण एवं वितरण आधिकारियों की अनुपस्थिति पर रोष जताया तथा जो ज्ञापन प्रेषित किये गये उनमें मुख्य रूप से चिकित्सा प्रतिपूर्ति का समय से भुगतान न किये जाने का उल्लेख किया। पेंशनर दिवस में मुख्य रूप से बेसिक शिक्षा विभाग तथा सिंचाई विभाग से संबंधित समस्यायें उठायी गयी। जिसके शीघ्र निस्तारण किये जाने हेतु निर्देश दिये गये। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये सभी विभागों को निर्देश दिये की पेंशनरों की किसी भी समस्या को लम्बित न रखा जाये क्योंकि कल हमें भी सेवानिवृत्त होना हैं। उन्होंने कहा कि सभी सम्मानित पेंशनरों के साथ विनम्रता पूर्वक व्यवहार किया जाये। पेंशनर दिवस में निम्न बिन्दु उठाये गये। पेंशनर दिवस में उठी मांग एवं शिवराज सिहं, एस0 के0 गर्ग, सुभाष त्यागी तथा जनेश्वर प्रसाद, इसम सिंह, सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन उ0प्र0 जनपद सहारनपुर के ज्ञापन दिनांकित में वर्णित तथ्यों शासनादेश के संबध में उपस्थित आहरण वितरण अधिकारियों को आदेशित किया कि उनके विभाग से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के जनवरी एवं जुलाई को नोशनल वेतन वृद्धि के आधार

पर पेंशन पुनरीक्षण, समस्त देयक उनके सेवानिवृत्ति के 6 माह पूर्व तैयार करा लिये जाये व उनके सेवानिवृत्ति दिनांक के उपरान्त तत्काल उनका भुगतान कर दिया जाये। इसके लिये उपर्युक्त होगा सभी कार्यालयों में एक पंजिका का रख-रखाव किया जाये। जिसमें आगामी 6 माह में सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों का उल्लेख हो एवं पेंशनरों से शिष्टाचार पूर्ण व्यवहार किया जाये। पेंशनर दिवस में स्वयं उपस्थित न होने वाले आहरण वितरण अधिकारियों के नाम जिलाधिकारी के संज्ञान में लाया जाये। जीपीएफ के मिलान का कार्य जो महालेखाकार कार्यालय से कराया जाना हैं सेवानिवृत्ति से 6 माह पूर्व अवश्य करा लिया जाये। मुख्य कोषाधिकारी द्वारा सभा में उपस्थित सभी को अवगत कराया गया कि कोई भी पेंशनर किसी भी प्रकार की साइबर ठगी का शिकार न हों क्योंकि कोषागार स्तर से किसी पेंशनर को कोई फोन नहीं किया जाता। कोई भी पेंशनर अपने बैंक संबंधी जानकारी शेयर न करें। राशिकरण के संबध में बताया गया कि यह प्रकरण माननीय उच्च न्यायालय से आच्छादित होने के कारण शासन स्तर पर विचाराधीन हैं। पेंशनर के सभी रिकार्ड आन लाईन हैं जैसे वार्षिक पेंशन विवरण एवं जीवित प्रमाण पत्र जो koshwani.up.nic.in तथा jeevanpraman.gov.in के साथ-2 निकटतम डाकघर एवं बैंक के माध्यम से भी जीवित प्रमाण पत्र आन लाईन किया जा सकता हैं। कार्यालयध्यक्ष एवं आहरण वितरण अधिकारी स्तर से पेंशन पुनरीक्षण न किये जाने एवं चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावों को समयबद्व निस्तारण न किये जाने पर असंतोष व्यक्त किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ देश सेवा में हुये शहीद सैनिकों एंव इस अवधि में दिवंगत हुये पेंशनरों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। कार्यक्रम के अंत में मुख्य कोषाधिकारी विजय शुक्ला ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि जो ज्ञापन प्राप्त हुये उनकों निस्तारण सक्षम स्तर पर संदर्भित कर दिया जायेगा। पेंशनर दिवस को जे0 डी कौशल, एस0के0 गर्ग, शिवराज सिहं जनेश्वर प्रसाद आदि ने सम्बोधित किया।

थाना कोतवाली अनूपपुर परिसर में प्रायवेट एसआईएस कंपनी द्वारा सुरक्षा कर्मियों के प्रशिक्षण एवं भर्ती के लिए कैम्प का आयोजन

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, थाना कोतवाली अनूपपुर परिसर में मंगलवार सुबह पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान के निर्देशन में सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड, परसवार अनूपपुर द्वारा युवाओं के लिए प्रायवेट सुरक्षा कर्मियों की भर्ती एवं प्रशिक्षण के लिए एक दिवसीय कैम्प का आयोजन किया गया।

इस कैम्प में सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड के कमांडेंट श्री प्रकाश कुमार साकेत एवं भर्ती अधिकारी श्री अभिषेक मिश्रा ने थाना कोतवाली अनूपपुर के टी.आई. श्री अरविंद जैन की उपस्थिति में करीब 50 नवयुवकों के साक्षात्कार एवं दस्तावेजों की जांच की। प्रक्रिया के उपरांत 14 युवाओं को प्रशिक्षण हेतु चयनित किया गया।

चयनित युवाओं को SIS के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, परसवार में एक माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद इन युवाओं को विभिन्न औद्योगिक संस्थानों और शाखाओं में प्रायवेट सुरक्षा कर्मी के पद पर नियुक्ति दी जाएगी। इन पदों पर वेतन 14,000 से ?23,000 तक होगा।

कर्मचारियों को दी जाने वाली सुविधाएं कमांडेंट श्री प्रकाश कुमार साकेत ने बताया कि स्कूल संस्था के माध्यम से प्रशिक्षण और रोजगार पाने वाले युवाओं को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की जाती हैं-

स्थाई नौकरी 65 वर्ष की आयु तक।

वेतन वृद्धि एवं पदोन्नति- वार्षिक आधार पर।

सुविधाएं बोनस, पेंशन, ग्रेच्युटी, ईएसआईसी और दुर्घटना बीमा।

सुरक्षा बीमा असमय मृत्यु होने पर परिवार को ?2 लाख या अधिक राशि 72 घंटे के भीतर प्रदान की जाती है।

लोन और शैक्षणिक सहयोग- कर्मचारियों को लोन की सुविधा एवं बच्चों की पढ़ाई के लिए सहायता।

यह आयोजन युवाओं को रोजगार के साथ-साथ सुरक्षा सेवा क्षेत्र में एक उज्ज्वल भविष्य प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

राजस्व महा अभियान-3.0 की हुई समीक्षा

खरगोन कलेक्टर कर्मवीर शर्मा कलेक्ट्रेट सभागृह राजस्व अधिकारियों के बैठक लेकर राजस्व महाअभियान 3.0 में किये जा रहे कार्यों की विस्तार से सभी बिंदुओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर सत्यनाराण दर्रे, श्रीमती हेमलता सोलंकी, एसडीएम बीएस कलेश, डिप्टी कलेक्टर पूर्वा मण्डलोई, खरगोन तहसीलदार उपस्थित रहे। वहीं समस्त एसडीएम, तहसीलदार ऑनलाईन बैठक में जुड़े थे। बैठक में कलेक्टर शर्मा ने राजस्व महाअभियान-3.0 के तहत नामांतरण एवं बंटवारे के प्राप्त आवेदनों में से विवादित प्रकरणों का शीघ्र समय सीमा में निराकरण कर आदेश पारित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नक्शे सुधार में तत्काल कार्यवाही कर नक्शा शुद्धिकरण के कार्य में तेजी लाकर प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही राजस्व के अधिकारियों को तकनीकी समस्या आने पर फील्ड के कर्मचारियों को सपोर्ट करने एवं बैकअप लेने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर शर्मा ने निर्देश दिए कि कृषक आईडी अपडेट एवं खसरा लिंकिंग का कार्य तत्परता से करने एवं जिन पटवारियों द्वारा कृषक आईडी एवं खसरा लिंकिंग कार्य में लापरवाही बरती गई तो संबंधित पटवारी को तत्काल निलंबित किया जाएगा। कलेक्टर शर्मा ने तहसीलदार से कहा कि यदि एक सप्ताह में प्रकरणों का निराकरण नहीं किया गया या काम में कमी पाई गई तो उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही कर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में सभी तहसीलदारों को सीएम हेल्पलाइन के निराकरण कर 'ए' ग्रेड में आने के निर्देश दिए हैं।

ट्रांसफार्मर से आईल चोरी करने वाली गैंग का खुलासा

गैंग से 1800 लीटर आईल व एक क्रेटा कार जप्त

देवास / कन्नौद क्षेत्र में आस-पास एमपीईबी के ट्रांसफार्मरों से आईल चोरी करने की सूचना प्राप्त हो रही थी. जिसपर पुलिस अधीक्षक जिला देवास पुनीत गेहलात द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश मूरिया व एसडीओपी केतन अडलक को कार्यवाही हेतु सख्त निर्देश दिये गये थे, जिससे पालन में पुलिस टीम बनाकर आरोपीगण की तलाश की जा रही थी। दिनांक 02.12.2024 को ग्राम ननासा स्थित एमपीईबी ग्रीट आपरेटर राहुल पिता मागीलाल गुर्जर निवासी ननासा द्वारा ट्रांसफार्मर से आईल चोरी के संबध में रिपोर्ट दर्ज करायी गई थी प्रकरण दर्ज कर पुलिस द्वारा विवेचना की गई। विवेचना में आरोपी शेरू पिता हरसिंह निवासी हाटबाजार, बस स्टैण्ड के पास पीथमपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई जिससे जानकारी मिली कि आरोपी अपने साथियो के साथ मिलकर पहले रेकी करते है. फिर रात्री में चोरी कर लेते हैं, जिसके लिये कार का उपयोग करते है. जानकारी के आधार पर पुलिस टीम द्वारा पीथमपुर से आरोपी टेनी उर्फ शैफअली निवासी गणेश नगर डेरी सराय घाटा बिल्लोद थाना बगदूद जिला धार को हिरासत में लेकर उसके कब्जे से 1800 लीटर आईल तथा कार केटा जिससे चोरी करने आते थे जप्ती की गई आरोपीगण द्वारा इन्दौर बुरहानपुर में ग्रीड पर से चोरी कर चुके है. उपरोक्त कार्यवाही में कन्नौद थाना प्रभारी निरीक्षक तहजीब काजी उनि राहुल रावत आर योगेन्द्र बालकृष्ण, म आर मुस्कान का योगदान रहा।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा

अलीराजपुर कट्ठीवाड़ा

सेक्टर कट्ठिवाड़ा के अन्तर्गत नवान्कुर संस्था बड़ाखेड़ा के द्वारा ग्राम विकास प्रस्फूटन समिति ग्राम हवेली खेड़ा मे 150 बोरियों का बोरी बंधन किया गया।जिसमें गांव के सभी लोग व ग्राम विकास प्रस्फूटन समिति के सदस्य उपस्थित थे।जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री दीपक जगताप ब्लाक सन्यवयक श्री नगरिया जी सस्तिया सर ने बताया की जल ही तो जीवन है।ग्राम विकास प्रस्फूटन समिति बडा खेड़ा एवं हवेलीखेड़ा के अध्यक्ष ,सचिव एवं कट्ठीवाड़ा के सेक्टर प्रभारी श्री जुवानसिंह तोमर और BSW एवं MSW के सभी विधार्थी और सभी मेंटर्स श्री योगेंद्रसिंह जादव ,श्रीमती बजली कनेश ,चन्द्रकांत तोमर,राजु टोकरिया एवं सभी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के गृह जिले में जनसुनवाई का बन रहा मजाक

उज्जैन

जनसुनवाई में अधिकारी ही नदारद

परेशान जनता शायद इसलिए पहुंच जाती है उज्जैन

मुख्यमंत्री जनसुनवाई का खाचरोद में मजाक बनाया जा रहा है । मप्र शासन द्वारा जनता को योजना मप्र शासन में सुशासन के लिए परेशान जनता की मददगार के लिए जनसुनवाई का आयोजन प्रती मंगलवार को होता है अब तो जनसुनवाई को सीएम हेल्पलाइन 181 से जोड़ने के निर्देश भी है इसके बावजूद मुख्यमंत्री जी के गृह जिले उज्जैन की खाचरोद तहसील के अधिकारीयों द्वारा इस सुशासन की महत्वपूर्ण योजना का मजाक बनाया जा रहा है । 17 दिसम्बर की जनसुनवाई में जिला कलेक्टर अपनी जनसुनवाई कर रहे हैं लेकिन खाचरोद की जनसुनवाई में नगरपालिका सीएमओ घनश्याम मचार के अलावा कोई भी बड़ा जवाबदार अधिकारी उपस्थित नहीं रहा । जबकी तहसील में एसडीएम नेहा शाहू, तहसीलदार अनील मोरे नायब तहसीलदार सुभाष सुनेरे और गुलाब सिंह परिहार सभी अपने अपने कार्यकाल में बैठे रहे ! इनमें से कोई भी जनसुनवाई में नहीं पहुंचे । समस्या लेकर आवेदक पहुंचे तो उनके आवेदन जनपद कर्मचारी लेकर जमा करता रहा । जनसुनवाई में आखरी के 10 मीनट में पत्रकार पहुंचे वहां सीएमओ व दैनीक वैतन भोगी कर्मचारी बैठे थे । वही ग्रामीण किसान अपनी समस्या को लेकर पहुंचे तो तहसीलदार को मोबाइल लगाकर मिडिया की सुचना दी, तुरंत तहसील अनील मोरे अपने आफिस से उठकर 10 कदम की दुरी पर गाड़ी से पहुंचे, जनसुनवाई में पहुंचे । इस तरह से मुख्यमंत्री मोहन यादव के सुशासन के मंसूबे पर पानी फैरते हुए योजना का मजाक बनाया जा रहा है पत्रकार नहीं पहुंचते तो जनसुनवाई के आवेदन भी बीना अधिकारी के ही जमा हो जाते हैं ऐसे ही पूर्व में दिए गये अतिक्रमण के आवेदनो पर सुनवाई आज तक नहीं हो पाई है, आखीर कब अधिकारी अपने कर्तव्यों का ठीक से पालन करैंगे और जनता के साथ न्याय करैंगे।

कम आते आवेदन शायद इसलिए जाते है उज्जैन कई बार जनसुनवाई के दौरान देखने में आता है कि खाचरोद में जनसुनवाई के दौरान नाम मात्र के आवेदन आते हैं और खाचरोद क्षेत्र की जनता जनसुनवाई में खाचरोद की अपेक्षा उज्जैन में जाकर जिला कलेक्टर के यहां जनसुनवाई में आवेदन देते हैं शायद इसका यही कारण है कि यहां के अधिकारी कर्मचारी शासन की इतनी महत्वपूर्ण योजना को इतना अच्छे से क्रियान्वनय ही नहीं करना चाहते और इसी कारण से खाचरोद और खाचरोद के आसपास क्षेत्र की जनता का विश्वास यहां से उठता हुआ दिख रहा है और यही कारण कि यहां की जनता अपने कार्यों की निराकरण के लिए उज्जैन जाने पर मजबूर होती है !

श्री राम मंदिर चौक संत सियाराम बाबा श्रद्धांजलि सभा, एवं अखंड कीर्तन भजन

आज देगें बाबा को श्रद्धांजलि, होगें भजन कीर्तन

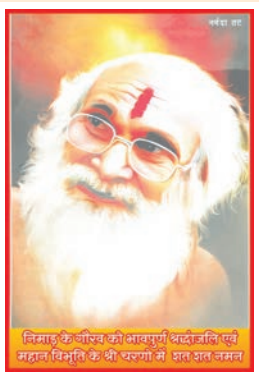

खरगोन

कसरावद- मोक्षदा एकादशी पर परम पूज्य ब्रह्मलीन संत सियाराम बाबा का देवलोक गमन होने से श्री राम मंदिर सेवा समिति एवं श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर सेवा समिति सदस्यों ने नगर के श्री राम मंदिर चौक पर आज शाम 7:14 बजे संत श्री के चरणों में श्रद्धांजलि सभा एवं अखंड कीर्तन भजन का आयोजन रखा गया है। जिसमें भजन गायक पीयूष कुशवाहा खरगोन एवं भजन गायिका विनीता जोशी धामनोद अपने भजनों की प्रस्तुति देंगे। नगर सहित क्षेत्र के धर्म प्रेमी जनता से समिति अपील करता है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

रायपुरिया मंडल अध्यक्ष चयन होने कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

झाबुआ भारतीय जनता पार्टी जिला झाबुआ रायपुरिया क्षेत्र से मंडल अध्यक्ष के लिए श्री लक्ष्मण जी मालीवाड़ का नाम घोषित होते ही पुरे रायपुरिया मंडल में कार्यकर्ताओ मैं खुशी की लहर रही और अपने गृह निवास ग्राम रताम्बा में भी कार्यकर्ताओ मैं खुशी की लहर और उत्साह रहा एवं सभी कार्यकर्ताओ ने नये मंडल अध्यक्ष साहब को दुपट्टा, माला पहनाकर व मूह मीठा कराकर जोरदार स्वागत कार्यकर्ताओ द्वारा किया गया व बधाई दी गई।

16 वर्ष की अपहृत बालिका को 02 घण्टे में किया बरामद आरोपी

देवास /सतवास

थाना सतवास पर एक मौखिक सूचना प्राप्त हुई थी कि श्री जी एकेडमी स्कूल से 01 बालिका को एक अल्टो कार से आये व्यक्तियों के द्वारा अपहृत कर ले जाया गया हैं सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम के द्वारा अपराधियों कि नाके बंदी कि गयी पुलिस सतर्कता से आरोपी द्वारा अपहृत बालिका को आरोपियों द्वारा बैंक ऑफ इंडिया के सामने छोड़ दिया गया ओर आरोपी फरार हो गये जिनका पीछा कर बधावा रोड़ काटाफोड़ में नर्मदा रेस्टोरेंट के पास से आरोपी सूरज जोनवाल पिता मोहन जोनवाल एवं उनके सहयोगी आरोपी अर्जुन पिता ब्रजमोहन मीणा व विकास पिता नर्मदाप्रसाद को गिरफ्तार किया घटना में प्रयुक्त अल्टो कार क्रमांक एमपी 09 एचई 3464 को भी बरामद किया गया प्रकरण क्र. 495/2024 धारा 137(2), 87, 61(2), 351(3), 3(5) बी.एन.एस. का पंजीबद्ध भी किया गया एवं आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया हैं। पुलिस सतर्कता से साम्प्रदायिक उन्माद को भी खत्म किया गया। उक्त कार्य में निरी. आशीष राजपूत, सउनि सिद्धनाथ सिंह बैस, प्र.आर. 63 रवि राव जाधव, आर. 583 सूरज चौहान, आर. 879 राजेन्द्र सिंह राजपूत, आर. 1051 अनिल भाभर की सराहनिय भूमिका रही हैं।

यातायात सुगम हो के तमाम प्रबंधो का सुव्यवस्थित क्रियान्वयन

विदिशा

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक मंगलवार को आयोजित की गई थी जिसमें यातायात सुगम हो के लिए किए जा रहे पूर्व प्रबंधो के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई और अधिक बेहतर प्रभावी क्रियान्वयन हो के सुझावो को अमल करने पर बल दिया गया है। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने विदिशा शहर में यातायात निर्बाध रूप से संचालित हो सड़को पर बेतरबी से वाहन खडे न हो। प्रकाश और सिग्नल के प्रबंध बेहतर हो इसके अलावा आटो में स्कूली बच्चों को ले जाने वाले चालको के द्वारा नियमो का पालन किया जाएं। सभी आटो पंजीबद्ध हो और इसके लिए आटो पर आवंटित किए जाने वाले नम्बर अंकित किए जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने जांच पड़ताल के पूर्व व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यातायात नियमो के पालन हेतु वाहन चालको खासकर आटो चालको की बैठक पुनः आयोजित कर उन सबको एवं उनके सहयोगी चालको को हरेक पैरामीटर से अवगत कराया जाए। इसके पश्चात् यदि उनके द्वारा परिवहन नियमो का अनदेखा किया जाता है स्कूली बच्चों को लाने ले जाने वाले आटो में सुरक्षा के प्रबंध सुनिश्चित नहीं किए जाते है तो जांच पडताल कर कार्यवाही की जाए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है बुधवार से सबसे पहले धान परिवहन करने वाले वाहनो में निर्धारित ऊंचाई से अधिक बोरे रखे ना जाए का जनजागरूकता संदेश प्रसारित कराने के प्रबंध किए जाएं वहीं कृषि उपज मंडियो के सचिवो को ततसंबंध में अवगत कराते हुए स्थानीय स्तर पर व्यवस्थाएं क्रियान्वित कराने हेतु ताकिद किया जाए इसके पश्चात् दिशा निर्देशो की अवहेलना करने वाले धान परिवहन वाहनो पर नियमानुसार कार्यवाही की जाए। सोमवार 23 दिसम्बर से आटो चालको की जांच पडताल कार्य शुरू करने पर सहमति व्यक्त की गई इसके लिए यातायात, आरटीओ और निकाय अमले के संयुक्त समन्वय से जांच पडताल के कार्य किए जाए। प्रारंभिक तौर पर आटो चालको को पूर्व में अवगत कराने पर बल दिया गया।

नोडल - कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जिले के हरेक शासकीय अशासकीय स्कूलो में एक-एक शिक्षक नोडल के रूप में नियुक्त करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए है ताकि स्कूल परिसर में आने वाले वाहनो, यातायात संबंधी अन्य जागरूकता कार्यक्रम के साथ-साथ शासकीय आयोजन जो स्कूली बच्चों के लिए आयोजित किए जाते है। ततसंबंध में इन नोडल अधिकारियों के माध्यम से स्कूली बच्चो में जागरूकता संदेशो का सम्प्रेषण सुनिश्चित कराया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने पिछली बैठक में लिए गए निर्णयो के पालनो पर संतोष जाहिर करते हुए कहा कि आमजनो के द्वारा स्वंय फीडबैक दिया जा रहा है और यातायात व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन से सहमत है। उन्होंने इस प्रकार की व्यवस्थाओं में और सुधार लाने पर बल देते हुए कहा कि जिन सडको पर प्रकाश, सिग्नल की आवश्यकता है उन क्षेत्रो का चिन्हांकन कार्यो को किया जाए।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिले से

निकले एनएच व स्टेट हाईवे पर चिन्हित ब्लेकस्पॉट क्षेत्रों में संकेतयुक्त साइनबोर्ड लगाए जाने के कार्य किए जा रहे है। यह कार्य शीघ्रतिशीघ्र पूरा कराया जाए।

रोकाटोकी - कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने यातायात, परिवहन और निकाय के अधिकारियों को जनजागरूकता संदेशो का अधिक से अधिक आमजनो के बीच सम्प्रेषण करने के लिए रोकाटोकी के माध्यम से प्रसारित किए जाए ताकि सभी यातायात नियमो का पालन करें और दूसरो को प्रेरणा दें। दो पहिया वाहन चालको के लिए सुरक्षित यातायात हेतु हेलमेट की आवश्यकता को ध्यानगत रखते हुए संदेश दिए जाएं इसी प्रकार स्कूली बच्चों को लाने ले जाने का कार्य करने वाले वाहन पूर्ण सुरक्षित हो ओर चालको द्वारा नियमो का पालन किया जाए के कार्य भी रोकाटोकी के माध्यम से पूर्ण कराए जाए। पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने बताया कि कार्यवाहियां करने से पूर्व संबंधितों में जनजागरूकता संदेशों से अनिवार्य रूप से अवगत हो कि व्यवस्था क्रियान्वित की जाए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान सिविल डेज्र में रहने पर बल दिया ताकि अचानक जांच पडताल की सूचना पाकर अनावश्यक रूप से वाहन चालक इधर उधर भगने लगते है इससे वे स्वंय अथवा अन्य को क्षति पहुंचा सकते है। उन्होंने कहा कि चैकिंग का उद्धेश्य सुरक्षित और नियमों का पालन कराना है न कि आर्थिक दण्ड अधिरोपित करना। जिन क्षेत्रो में वनवे का पालन किया जा रहा है स्थानीय नागरिकों के द्वारा उसमे सहयोगप्रद किया जा रहा है अतः इसे बनाए रखें। हम सबका यही उद्धेश्य है कि यातायात परिवहन के दौरान आमजनो को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो वहीं वाहन चालको से यातायात अवरूद्ध ना हो। उन्होंने जिले में चिन्हित किए गए ब्लेकस्पॉट में सुधार लाने के लिए किए जाने वाले प्रबंधो को रेखांकित किया। पुलिस अधीक्षक श्री काशवानी ने रात्रि में विभिन्न चैराहो, सडको पर पुलिस की उपस्थिति दर्ज होने से आमजनों की बीच सुरक्षा विश्वास में बढोतरी हो रही है। उन्होंने जांच पड़ताल के दौरान किसी भी प्रकार का भेदभाव नही बरतने के निर्देश अधीनस्थो को दिए है। सडको के किनारे नियत स्थलों पर ही वाहन पाार्किंग हो। बाजारो में नगरपालिका के द्वारा पार्किग व्यवस्था का संचालन किया जाए वहीं जिन क्षेत्रों में सडको के आसपास का अतिक्रमण हटाया जा रहा है वह पुनः ना हो इसके लिए सप्ताह में दो दिन औचक कार्यवाहियां उन क्षेत्रो में भी होती रहे। उन्होंने समुचित कार्यो में आमजनो का सहयोग प्राप्त हो ओर उनके विश्वास पर खरे उतरे इसके लिए वीडियोग्राफी पर बल देते हुए मीडियाबंधुओं को क्रियान्वित कार्यो की सूचना देकर जानकारियां अधिक से अधिक प्रचार प्रसार हो के सांझा सहयोग प्राप्त करें। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में सम्पन्न हुई इस बैठक में मुख्यतः रविन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन (आडिटोरियम) यातायात पुलिस द्वारा नगरपालिका के सहयोग से लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही, नीमताल के पास खडे होने वाले वाहनो, चालानी कार्यवाही एवं अतिक्रमण हटाने तथा समस्त स्कूलो में चल रहे आटो रिक्शाओं में ओवर लोडिंग के संबंध में आटो रिक्शा चालको की बैठक कर उन्हें आटो में जाली लगवाने एवं क्षमता से अधिक बच्चे आटो में ना बिठाने के दिशा निर्देशो से अवगत कराने तथा दुर्गानगर चैराहा एवं शहर के मुख्य चैराहो पर ट्राफिक सिग्नल लगवाने हेतु नगरपालिका द्वारा किए गए पत्राचार और शहर में दो पहिया चालको द्वारा हेलमेट लगाने से अवगत कराने तथा शाम सात से रात्रि 12 बजे तक पूर्व में की गई चालानी कार्यवाही से अवगत कराया गया। वहीं स्कूलो में यातायात अल्फा विटा के माध्यम से बढे रोचक एवं सरल तरीको से छात्र-छात्राओं को यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर उनके माध्यम संदेशो का सम्प्रेषण और सेमग्लोबल यूनिवर्सिटी के बच्चों द्वारा नुक्कड नाटक के माध्यम से यातायात नियमों व जागरूकता और पालन करने के संदेश दिए गए है। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरजेश वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी श्री आरके ठाकुर, एनएच व स्टेट हाइवे तथा लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बुन्देल सिंह ठाकुर, विदिशा एवं बासौदा के यातायात प्रभारी निरीक्षक मौजूद रहे।

13 दिन में उखड़ा रोड़

रोड ठीक करने को लेकर जनसुनवाई में दिया आवेदन

उज्जैन

खाचरोद नागदा रोड से भगतपुरी से परमारखेडी हो हुए ग्राम किलोडिया तक 345.01 लाख की लागत से 6.893 किलो मीटर बनने वाला प्रधानमंत्री ग्राम सड़क रोड मात्र 13 दिन भी नहीं चला खराब हो गया जिसको लेकर जन सुनवाई के कलेक्टर को इसकी शिकायत करते हुए रोड को पुनः बनाने की मांग की गई ! प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक योजना के अंतर्गत ग्राम भगतपुरी से परमारखेडी होते हुए ग्राम किलोडिया तक रोड का कार्य 5 अक्टूबर 2023 मेंप्रारंभ होकर 4 अक्टूबर 2024 में पूर्ण होना था रोड बना भी किंतु उक्त सडक बनानें के बाद सडक 13 दिन भी ठीक से नहीं टिक पाई और उखड़ गई है इसको लेकर ग्रामीणों के द्वारा एक आवेदन पूर्व में भी 19 नवंबर 2024 को दिया गया था किंतु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई ! इस रोड के निर्माण में ईजीनीयरों और ठेकेदार की मिली भगत से घटीया सामग्री का उपयोग कर शासन को आर्थिक नुकसान पहुंचाया है, तथा

सडक उखड जानें के कारण आनें व जानें वाले यात्रीयों को परेशानी व दुर्घटना का सामना करना पड रहा है। सडक उखड जानें के कारण यात्रीयों के साथ कभी भी कोई बडा हादसा भी हो सकता है और जन हानि होनें का खतरा भविष्य में भी बना रह सकता है, उक्त इंजीनीयर व ठेकेदार के लिए उचित दण्डात्मक कार्यवाही व सडक को पुनः निर्माण हेतु विनोद गुर्जर के द्वारा जनसुनवाई के आवेदन दिया गया !

ताइवान की आर्टिस्ट ने बनाई आंसुओं की गन, दिल दुखाने वालों को इस तरह देती है सजा

इंटरनेशनल डेस्क: सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा किस्सा वायरल हो रहा है, जिसने कला और इनोवेशन की नई परिभाषा गढ़ दी है। यह किस्सा ताइवान की महिला आर्टिस्ट यी फेई चेन और उनके द्वारा डिजाइन किए गए अनोखे गन का है, जो इंसानी आंसुओं को इकट्ठा करके उन्हें फ्रीज करता है और प्रतीकात्मक रूप से उन पर निशाना साधता है, जिन्होंने दिल दुखाया। यह रचनात्मक और इमोशनल प्रोजेक्ट इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गया है। यी फेई चेन को इस गन का विचार तब आया जब उनकी एक टीचर के साथ असाइनमेंट को लेकर बहस हो गई थी। इस बहस के दौरान वह बेहद इमोशनल हो गईं, और उनके आंसू छलक पड़े। यह अनुभव उनके लिए एक पल में बहुत कुछ बदल देने वाला साबित हुआ। उन्होंने महसूस किया कि आंसू केवल उनकी भावनाओं का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि उन्हें उनकी कमजोरी भी बनाते हैं। इसी सोच ने उन्हें आंसुओं की गन बनाने की प्रेरणा दी। यी फेई चेन द्वारा डिजाइन की गई इस गन की कार्यप्रणाली बेहद अनोखी है। इसका मुख्य उद्देश्य भावनाओं को प्रतीकात्मक रूप से व्यक्त करना है। गन की प्रक्रिया इस प्रकार है-

आंसुओं का संग्रहण- जब कोई व्यक्ति रोता है, तो गन के जरिए उनके आंसुओं को इकट्ठा किया जाता है। आंसुओं को फ्रीज करना- इकट्ठे किए गए आंसुओं को गन की तकनीक से फ्रीज किया जाता है, जिससे वे छोटे बर्फ के टुकड़ों में बदल जाते हैं।

निशाना साधना- इन जमे हुए आंसुओं को गन के जरिए उन लोगों पर निशाना बनाकर छोड़ा जाता है, जिन्होंने उन्हें दुखी किया। हालांकि, यह प्रक्रिया प्रतीकात्मक है और किसी को शारीरिक नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं है।

यह गन एक तरह से उन दबे हुए दर्द और भावनाओं को उजागर करती है, जिन्हें लोग अक्सर अनदेखा कर देते हैं। यह कला के माध्यम से भावनाओं को बयां करने का एक नया और क्रांतिकारी तरीका है।

कला और इमोशन्स का अनोखा मेल

यी फेई चेन का यह प्रोजेक्ट केवल उनकी व्यक्तिगत कहानी तक सीमित नहीं है। यह उन सभी लोगों के लिए एक संदेश है, जो अपनी भावनाओं को दबाकर रखते हैं। चेन ने इसे अपने बचपन और व्यक्तिगत संघर्षों से प्रेरित होकर तैयार किया। उनका बचपन ताइवान में बीता, लेकिन उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा नीदरलैंड्स में पूरी की। उनका यह आर्टवर्क दिखाता है कि कैसे हम अपनी कमजोरियों को अपनी ताकत में बदल सकते हैं।

सोशल मीडिया पर रिएक्श

यी फेई चेन के इस अनोखे गन ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। इंस्टाग्राम, ट्विटर और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर इसे लेकर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा, कला का सबसे खूबसूरत और दर्दभरा रूप देखा।

दूसरे ने कहा, यह गन हर दिल टूटने वाले इंसान के लिए है।

वहीं, कई लोग इसे भावनाओं को व्यक्त करने का सबसे अनोखा तरीका बता रहे हैं।

कुछ क्रिटिक्स ने इसे महज एक प्रतीकात्मक प्रयास बताते हुए कहा कि यह केवल व्यक्तिगत भावनाओं की अभिव्यक्ति है। लेकिन अधिकतर लोगों ने इसे भावनाओं और कला का अभूतपूर्व संगम बताया है।

क्यों है यह प्रोजेक्ट खास?

यी फेई चेन का यह प्रोजेक्ट इसलिए खास है क्योंकि यह हमें यह सिखाता है कि भावनाएं कमजोरियां नहीं होतीं। आंसू, जिन्हें अक्सर कमजोरी का प्रतीक माना जाता है, इस आर्टवर्क में ताकत का जरिया बन गए हैं। यह गन न केवल कला और इनोवेशन का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि यह भावनात्मक संघर्षों से जूझ रहे लोगों के लिए एक प्रेरणा भी है।

पाकिस्तानः कटासराज मंदिरों के दर्शन करेंगे भारतीय, जारी किए गए 84 वीजा

इंटरनेशनल डेस्क। पाकिस्तान सरकार ने भारतीय हिंदू तीर्थयात्रियों को पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में स्थित प्रसिद्ध कटासराज मंदिर के दर्शन करने के लिए 84 वीजा जारी किए हैं। यह मंदिर भारत और पाकिस्तान के हिंदू समुदाय के लिए एक पवित्र धार्मिक स्थल माना जाता है। इसे %किला कटास% के नाम से भी जाना जाता है।

तीर्थयात्रा की तिथियां

भारतीय तीर्थयात्री 19 दिसंबर से 25 दिसंबर तक इस पवित्र स्थल की यात्रा करेंगे। इस दौरान श्रद्धालु मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेंगे।

कटासराज मंदिर परिसर एक प्राचीन धार्मिक स्थल है जिसमें कई छोटे-बड़े मंदिर शामिल हैं। मान्यता है कि यहां भगवान शिव के आंसुओं से एक पवित्र जलकुंड बना था जिसे कटाक्ष कुंड या शिव कुंड कहा जाता है। यह स्थान हिंदू धर्म में गहरी आस्था और पवित्रता का प्रतीक है।

पिछले वर्षों की तुलना

पिछले साल पाकिस्तान ने कटासराज मंदिर की तीर्थयात्रा के लिए 112 भारतीयों को वीजा जारी किए थे। इस साल संख्या में थोड़ी कमी आई है लेकिन श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं है।

पाकिस्तान सरकार ने वीजा जारी करने के फैसले को दोनों देशों के बीच धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में एक कदम बताया है। इस यात्रा के जरिए दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग और विश्वास बढ़ाने की उम्मीद है।

बता दें कि कटासराज मंदिर की यह यात्रा भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व रखती है। यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूत बनाने का एक माध्यम है।

ब्रेन इंजरी के कारण वेंटिलेटर पर अल्लू अर्जुन का नन्हा फैन

पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान हादसे में हुआ था घायल

नेशनल डेस्क. हैदराबाद में पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान संध्या थिएटर में भगदड़ मची थी। इस हादसे में एक महिला की मौत हुई थी, जबकि उसका 8 साल का बेटा गंभीर रूप से घायल हुआ। इस बच्चे को लेकर अब हेल्थ अपडेट सामने आया है। बताया गया है कि बच्चे को सांस लेने में दिक्कत के कारण ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया है। उसे मैकेनिकल वेंटिलेशन पर है।

बताया जा रहा है कि इस 8 साल के अल्लू के नन्हें फैन को लेकर हैदराबाद सिटी पुलिस ने एक्स पर पोस्ट शेयर किया है, जहां उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने उन्हें सूचित किया है कि लड़के का इलाज वेंटिलेटर सपोर्ट के साथ किया जा रहा है और इलाज लंबे समय तक चलने की संभावना है। जानकारी के लिए बता दें कि 4 दिसंबर को संध्या थिएटर में मची भगदड़ में मासूम में चोट लगी थी, जिसके बाद इसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। यहां उसे ऑक्सीजन स्पोर्ट से हटाने के बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी।

दरअसल 4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में आधी रात को प्रीमियर के दौरान एक भयानक घटना हुई। अल्लू अर्जुन जैसे वहां पहुंचे लोग उनसे मिलने के लिए उनकी तरफ भागने लगे। कुछ ही स्थिति ऑउट ऑफ कंट्रोल हो गई और भगदड़ जैसे हालत बन गए। इस घटना ने रेवती नाम की एक महिला की जान ले ली और कई लोग घायल हो गए।

बिहार में मुखिया समेत 14 वार्ड सदस्यों ने दिया इस्तीफा, वजह जान उड़ जाएंगे होश

सुपौल- बिहार के सुपौल में मुखिया और 14 वार्ड सदस्यों ने एक साथ बीडीओ को इस्तीफा दे दिया। इस तरह से सामूहिक इस्तीफे के बाद पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग में हड़कंप मच गया है।

रिश्वत मांगने का लगाया गया आरोप

मिली जानकारी के अनुसार, मामला मरौना प्रखंड की गनौरा पंचायत का है। मुखिया जितेंद्र कुमार ने बताया कि पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक और कनीय अभियंता जैसे पंचायत स्तरीय कर्मी विकास कार्यों के लिए रिश्वत मांगते हैं। इनके असहयोग के कारण पंचायत में विकास कार्य रूका पड़ा है। जिस कारण जनता में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

इन लोगों ने दिया इस्तीफा

मुखिया जितेंद्र कुमार के साथ इस्तीफा देने वालों में उप मुखिया बेचनी देवी, वार्ड सदस्य माला देवी, पूनम देवी, शोभा देवी, सुचिता देवी, रामप्रवेश महतो, पिंकी देवी, अभय कुमार यादव, वीणा देवी, मदन कुमार मंडल, सुरेंद्र सदा, विकास आनंद, विनोद कुमार यादव और ललिता देवी शामिल हैं। सभी जनप्रतिनिधियों का कहना है कि पंचायत कर्मियों का सहयोग नहीं मिलता है। इसके चलते समस्या का निष्पादन नहीं हो पाता है। समस्याओं का हल न होने से जनता में नाराजगी है। जिस कारण वे सभी एक साथ इस्तीफा दे रहे हैं।

मंत्री विजय सिन्हा ने किया ऐलान

अवैध खनन के विरुद्ध शानदार प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को किया जाएगा पुरस्कृत

पटना. बिहार के उप मुख्यमंत्री सह खान एवं भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मंगलवार को कहा कि जिलों में अवैध खनन के विरुद्ध शानदार प्रदर्शन करने वाले जिला खनिज विकास पदाधिकारियों तथा खान निरीक्षकों को पुरस्कृत किया जायेगा। उप मुख्यमंत्री सह खान एवं भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने जिला खनिज विकास पदाधिकारियों तथा खान निरीक्षकों के साथ विभागीय समीक्षा बैठक की। बैठक में विभाग के प्रधान सचिव सह खान आयुक्त नर्मदेश्वर लाल भी मौजूद थे। बैठक में मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राजस्व समाहरण, बालू घाटों की बंदोबस्ती की स्थिति, अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की।

पांच जिलों का रहा खराब प्रदर्शन

बैठक के बाद प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि समीक्षा के क्रम में यह बात सामने आई की पांच जिलों का काफी खराब प्रदर्शन रहा है। दंड वसूली में लक्ष्य से 120 प्रतिशत अधिक प्राप्त किया जा चुका है। इसमें तय पैमाने के अनुसार जिलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले जिला खनिज पदाधिकारियों तथा खान निरीक्षकों को पुरस्कृत किया जाएगा और साथ ही खराब प्रदर्शन करने वालों को दंडित भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अवैध खनन तथा ओवरलोडिंग पर काबू पा लिया गया है। बिना नंबर प्लेट के चल रहे ट्रैक्टरों की शिकायत मिलने पर कार्रवाई नहीं करने वाले संबंधित पदाधिकारियों को दंडित किया जाएगा। सिन्हा ने कहा कि जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक सुनिश्चित करें की इस मामले में कोई ढिलाई ना बरती जाए। इसकी निगरानी के लिए समय समय पर ड्रोन से, हेलीकॉप्टर से सर्वे किए जा रहे हैं और जहां से शिकायत आ रही है वहां कार्रवाई की जा रही है। राय के बाहर सीमावर्ती जिलों से होने वाले अवैध खनन, बिना कागजात के पत्थर, कोयला का व्यापार करने वालों पर भी कार्रवाई करने की योजना बनाई जा रही है। लोगों से अपील की जाती है पास किए गए ट्रांजिट चालान का उपयोग करें और राय सरकार के अंदर सूचीबद्ध हों।

अवैध खनन से संबंधित प्राप्त परिवादों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग में अवैध खनन से संबंधित प्राप्त परिवादों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। लौह अयस्क और लाइमस्टोन के लिए किए गए निविदा की समीक्षा की गई है, जिसमें यह बात सामने आई है कि इस वित्त वर्ष बिहार ने पहली बार वृहद खनन के क्षेत्र में कदम रखा है।घरेलू मिट्टी के उपयोग के लिए कोई कार्रवाई या दोहन की शिकायत आने पर सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। गीला बालू के परिवहन पर चालक पर कार्रवाई होने के साथ बंदोबस्त धारी पर भी कार्रवाई होगी। इसके साथ ही विभाग की प्रगति, चुनौतियों के समाधान तथा भविष्य की योजनाओं पर समीक्षा की गई। जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में सामने आई अनियमितताओं को संज्ञान में लेते हुए उप मुख्यमंत्री ने उनसे स्पष्टीकरण लेने की बात बताई।

गलत वसूली करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

खान एवं भूतत्व मंत्री ने कहा कि गलत वसूली करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी, राजस्व की वृद्धि होगी, प्रकृति के उपहार को अवैध खनन से अभिशाप के बजाय वरदान बनाया जाएगा। सरकार लोगों के सहयोग के लिए उनका धन्यवाद देती है और अवैध खनन की जानकारी देने वाले बिहारी योद्धाओं के खातों में जल्द इनाम की राशि ट्रांसफर कर दी जाएगी। इनाम की राशि के रूप में ट्रैक्टर पकड़वाने वाले बिहारी योद्धा को 5000 रूपये तथा ट्रक पकड़वाने वालों को 10,000 रूपये दिये जायेंगे।

कॉन्सर्ट में मीडिया कर्मी को पैंट में करना पड़ा पेशाब

इंटरनेशनल डेस्क: हाल ही आयोजित एक कॉन्सर्ट के दौरान शर्मनाक घटना सामने आई। मुंबई में हुए ब्रायन एडम्स के इस शो के दौरान मीडिया पेशेवर शेल्डन अरांजो को वाशरूम की कमी के कारण अपमानजनक स्थिति का सामना करना पड़ा। घटना 13 दिसंबर को हुई, जिसे जोमैटो लाइव द्वारा आयोजित किया गया था। शेल्डन अरांजो, जो डायबिटीज के मरीज हैं, ने बताया कि 1,000 से ज्यादा लोगों के लिए केवल तीन वाशरूम थे। लंबे समय तक कतार में खड़े रहने के बावजूद, वह समय पर वाशरूम नहीं पहुंच पाए और मजबूरी में उन्हें अपनी पैंट में पेशाब करना पड़ा।

अपनी गंदी पैंट की तस्वीर शेयर करते हुए शेल्डन ने कहा, मैंने ब्रायन एडम्स के कॉन्सर्ट में पेशाब करने (अपनी पैंट में) के लिए पैसे खर्च किए। उन्होंने आयोजकों की कड़ी निंदा की और कहा कि यह स्थिति लापरवाह प्रबंधन का नतीजा है। शेल्डन ने जोमैटो के ष्टश्वह्व दीपिंदर गोयल और कॉन्सर्ट आयोजकों की आलोचना करते हुए कहा, मैं डायबिटिक हूं, मुझे पेशाब की समस्या है। लेकिन आयोजकों को शर्म आनी चाहिए कि उन्होंने इतने बड़े आयोजन में सिर्फ तीन वाशरूम उपलब्ध कराए। उन्होंने बताया कि वह लंबे समय तक कतार में इंतजार करते रहे लेकिन उनकी स्थिति इतनी बिगड़ गई कि वह और इंतजार नहीं कर पाए।

शेल्डन ने अपने पोस्ट में आयोजकों से बेहतर मैनेजमेंट की मांग की और कहा कि भविष्य के कार्यक्रमों में दर्शकों की *बुनियादी जरूरतों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आयोजकों का यह दायित्व है कि वे *पर्याप्त वाशरूम जैसी सुविधाएं सुनिश्चित करें। शेल्डन की यह पोस्ट वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर आयोजकों की कड़ी आलोचना हुई। कई यूजर्स ने कहा कि आयोजकों ने लाभ को प्राथमिकता दी और दर्शकों की *सुविधाओं की अनदेखी* की। लोगों ने मांग की कि भविष्य में ऐसे बड़े आयोजनों के लिए सख्त नियम बनाए जाएं ताकि किसी को इस तरह की शर्मनाक और तकलीफदेह स्थिति का सामना न करना पड़े।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569